



An Initiative of IMS  
Ghaziabad Society Towards  
Academic Excellence



P-4

पढ़ोगे, लिखोगे के साथ अब  
खेलोगे तो भी बनोगे नवाब!



P-8

आईएमएस गाजियाबाद में हुआ  
काईफा-2021 फिल्म समारोह

आईएमएस टुडे

# IMS TODAY

► Issue – 1, Year – 9

► Ghaziabad, 9th April-2021

► www.imsec.ac.in

► Language – Hindi & English/ Monthly

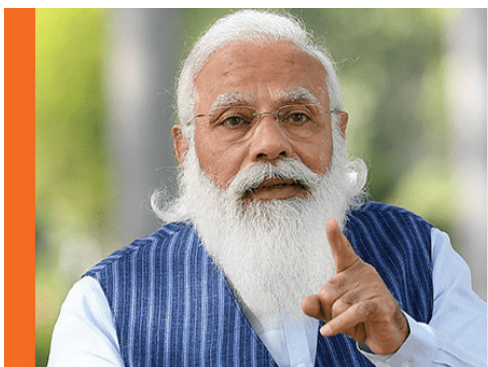
► Pages – 8, Price : ₹2

## तनाव न लें, परीक्षा जिंदगी का आखिरी मुकाम नहीं: पीएम मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अप्रैल को अपने 'परीक्षा-पे-चर्चा-2021' कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को कई बहुमूल्य सुझाव दिए। इस कार्यक्रम में 14 लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया जिनमें 10 लाख से अधिक छात्र थे। इसमें 81 देशों के छात्र भी शामिल हुए। इस बार 'परीक्षा-पे-चर्चा' कार्यक्रम वर्चुअल आयोजित की गई थी। प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2018 से परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम करते आ रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को परीक्षा के तनाव मुक्त रहने के उपाय सुझाते रहे हैं। छात्रों को भी इस कार्यक्रम का बेसब्री से इंतजार रहता है।

### छात्रों को सलाह

- परीक्षा जिंदगी का आखिरी मुकाम नहीं। बल्कि खुद को मजबूत करने का एक अवसर भर है। इसलिए परीक्षा से भागना नहीं है बल्कि परीक्षा की कसौटी पर खुद को कसने के मौके खोजते रहना है ताकि हम और मजबूत बन सकें।
- सभी विषयों को बराबर समय दें। पढ़ाई के दौरान जो कठिन विषय या पाठ लगे, उसे पहले पढ़ें। मुश्किल विषयों से भागे



### शिक्षकों को सलाह

शिक्षक पढ़ाई से बाहर निकलकर बच्चों से बात करें। टोकने, रोकने के बजाय उन्हें सलाह दें। किसी बच्चे में कोई कमी दिखे तो अलग से चलते-फिरते आसान तरीके से समझाएं।

नहीं।

- याद करने पर जोर देने के बजाय उसे सहजता, सरलता, समग्रता के साथ जीने की कोशिश करनी चाहिए।
- सारी टेन्शन परीक्षा हाल के बाहर छोड़कर जाना होगा।
- खाली समय एक खजाना है। दिनचर्या में खाली समय होना ही चाहिए। वरना जिंदगी रोबोट जैसी हो जाएगी। खाली समय में वह करना चाहिए जिससे सबसे ज्यादा खुशी मिलती है।
- सपने हमेशा बड़े रखिए और अपने देश के लिए सोचिए।

- दूसरों को देखकर अपना नजरिया बनाने की परिपाटी गलत है। खुद की प्रतिभा को पहचानकर आगे बढ़ें।
- जीवन में अवसरों की कोई कमी नहीं है। जितने लोग हैं, उतने अवसर भी हैं। सपने देखें और उन्हें पूरा भी करें।

### अभिभावकों को सलाह

- मूल्यों को कभी थोपे नहीं, बल्कि उन्हें जोकर सिखाएं। आप चाहते हैं कि आपका बच्चा सुबह उठकर पढ़े, लेकिन क्या आपके घर में कभी ऐसी किताबों की चर्चा होती है जिसमें सुबह

उठने के फायदों की चर्चा हो। यदि ऐसा करेंगे तो बच्चा खुद ही सीखेगा और करेगा।

- अपने बच्चों को परीक्षा के अंकों के आधार पर ही न आँके, बल्कि उनकी प्रतिभा को पहचानें और निखारने में भी मदद करें।
- युवा बने रहना है तो अपने बच्चों के साथ दूरी को कम कीजिए। यह आपके लिए फायदे वाला है।
- बच्चों की बात सुनिए, समझिए, उन्हें हाँकने वाला मत बनिए।
- बच्चों के फास्ट फूड खाने की ज़िद पर प्रधानमंत्री ने अभिभावकों को सलाह देते हुए कहा कि यह समस्या तब पैदा होती है जब हम बच्चों के बीच अपने पारंपरिक खान-पान की कोई चर्चा नहीं करते। यदि ऐसा करेंगे तो उनमें अपने पारंपरिक खान-पान के प्रति गौरव का भाव पैदा होगा।
- जेनरेशन गैप को कम करने के लिए बच्चों और बड़ों को एक दूसरे को समझना होगा। खुले मन से गपशप करनी होगी। खुलकर बातें करनी होंगी। एक दूसरे को समझना होगा।

## सीबीएसई बोर्ड- 2021 की परीक्षाओं के लिए पहली बार 10वीं की फाइनल रिवीजन बुक लॉन्च

**नई दिल्ली।** बोर्ड परीक्षाओं के अंतिम एक महीने में सर्वश्रेष्ठ तैयारी कैसे करें इस बात को ध्यान में रखते हुए एजुकार्ट के साथ मिलकर सीबीएसई ने पहली बार रिवीजन बुक लॉन्च की है।

कोरोना के कारण बच्चों की पढ़ाई जिस हिसाब से होनी चाहिए हो नहीं पाई है। इस बात को बच्चों, पैरेंट्स के साथ-साथ सीबीएसई ने भी महसूस किया है। इसी को ध्यान में रखकर यह अनोखा प्रयास किया गया है। कम समय में बच्चे सर्वश्रेष्ठ तैयारी कैसे करें इसी बात को ध्यान में रखते हुए, CBSE के एक्सपर्ट्स ने एडुकार्ट (Educart) के साथ मिलकर छात्रों को अनूठी पुस्तक प्रदान करके मदद करने का फैसला किया है।

इस किताब का नाम 'फाइनल रिवीजन ऑफ ऑल दी सब्जेक्ट्स' है। Educart की सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर, सोनाली खोसला जी ने कहा, 'हम इस किताब पर पिछले 6 महीने से केन्द्रीय विद्यालय और शीर्ष निजी स्कूलों के CBSE विशेषज्ञ करते। यदि ऐसा करेंगे तो उनमें अपने पारंपरिक खान-पान के प्रति गौरव का भाव पैदा होगा।



सिर्फ 3-4 हफ्तों में कवर करेगी।' सबसे अधिक पृष्ठ जाने वाले प्रश्नों की पहचान और विषयों के सार को निकालने के लिए पिछले 10 साल के CBSE पेपर, NCERT की किताबें और दीक्षा मंच के 10,000 से अधिक प्रश्नों पर रिसर्च करके महत्वपूर्ण बिंदुओं को तैयार किया गया है। किताब में दिये गये इन सभी बिंदुओं को बहुत ही सरल तरीके से नक्शे के जरिए प्रस्तुत किया गया है। जो स्टूडेंट्स सिर्फ एक महीने में पढ़ सकते हैं।

कक्षा दसवीं के लिए CBSE की इस रिवीजन बुक की मांग इतनी ज्यादा दिखी है कि कुछ ही दिनों में कि पहले से ही CBSE कैटेगरी में Amazon और Flipkart पर यह किताब #1 रैंक पर आ चुकी है। इसके अलावा विद्यार्थी सैपल पेपर्स से भी Educart की किताबों से अभ्यास कर रहे हैं, ताकि छात्र प्रत्येक विषय की परीक्षा से पहले खुद को नए पैटर्न पे परख सकें।

### In Brief

#### Alumni talk organized by IMSEC Ghaziabad:

A much appreciated and successful Alumni Talk was held on 21st March, 2021 (Sunday) in virtual mode. The talk was organized by the Alumni Committee with the assistance... *See P-5*

#### Special Session on "Career Opportunity in Indian Air Force"

**Ghaziabad:** For the first time at IMS Ghaziabad, the PGDM Batch 2020-22 students were given a platform through a Special Session on "Career Opportunity in Indian Air Force" to explore the untapped opportunities with the air... *See P-6*

#### BCA department organised national seminar

**Ghaziabad:** IMS (University Courses Campus) organised National Seminar on Post Covid-19: Emerging Trends in Information Technology and Computer Applications on 27th February 2021. *See P-7*

## CBSE syllabus 2021-22 released for secondary & senior secondary classes

**NEW DELHI:** The Central Board of Secondary Education (CBSE) has released the curriculum for the Secondary (IX-X) and Senior Secondary (XI-XII) classes for academic year 2021-22 on its official website.

The CBSE syllabus for academic year 2021-22 can be obtained from the Board's website [cbse.nic.in](http://cbse.nic.in). The syllabus has been

released for all the subjects. CBSE announced that the class 10 and 12 students who are not able to appear in practical examination because of being infected with coronavirus will get another chance before June 11. The Central Board of Secondary Education (CBSE) has directed schools to reconduct practical exams for COVID-19 positive

candidates at an appropriate time. CBSE Exam Controller Sanyam Bhardwaj says "If any candidate is absent in practical exam because of being COVID positive or any family member tests positive, school will conduct practical examination for such candidates at an appropriate time in consultation with regional authority by June 11."

## Guest Editor of this issue



**Ms. Monika Sharma**  
Principal  
LSD DAV Public School, Pilkhuwa  
(Guest Editor)



### From the Editor's desk

I am very honored to serve as a guest editor for this Issue of IMS Today. I am sure that this issue would be definitely useful to all the readers. This collection will also offer a window for new perspectives and direction to the readers' mind for long.

"Thank you to the team IMS Today and comment moderators who work so hard for the news paper on the frontlines of audience engagement."

The Editorial Committee of IMS Today wishes to acknowledge and thank Ms. Monika Sharma who contributed her time to handle manuscripts as Guest Editor of this Issue. Without her help, We could not fulfill our mission.

## Online teaching was not an easy idea

*"When my reason, imagination, and interest were not engaged, I would not or could not learn".*

During this testing time of the covid-19 pandemic, there has been a paradigm shift in the teaching-learning environment. Online teaching was not an easy idea just to implement. It was very crucial to design an online lesson plan that would be functional and attractive enough to spark imagination in the learners.

To engage students meaningfully we needed to equip our teacher with tech tools to help them to innovate and create an interactive conducive learning environment. For this purpose we encouraged our teachers to attend various webinars, workshops, interactive-sessions & quizzes conduct by CBSE, DAVCAE, MHRD, Diksha App, etc, from July 2020 to date.

To minimize the screen time we organized 30 minutes periods with 10 minutes break in between we also organized "Netar Yoga Shivar" for our students.

Besides active teaching children were kept engaged through co-curricular activities – summer camp, inter-house dance, drama, skit, web-advertisement, debate, discussion, extempore, e-Mun, yoga, physical exercises, etc. I feel the prevailing time has pushed all of us out from our comfort zone to a learning zone. No doubt we are all making courageous efforts at the most challenging times and creating the cause for magnificent future growth. Conviction leads to taking on new challenges.

**IMS GHAZIABAD**  
(University Courses Campus)

31 YEARS OF ACADEMIC EXCELLENCE

IMS Ghaziabad (University Courses Campus)

**1st** in UP & Uttarakhand **2nd** in Placements All India  
By Times School Survey - 2020

### SALIENT FEATURES

- One Month Free International Internship
- International and Domestic Placements
- Free Laptop
- Free Transport Facility from:

GHAZIABAD | NOIDA | DILSHAD GARDEN  
ANAND VIHAR | BULANDSHAHR | MODINAGAR

<b>Highest Package</b>	₹ 16 LPA
<b>Average Package</b>	₹ 7.5 LPA

### COURSES OFFERED

<b>BBA*</b> (5 Specializations)	<b>BCA*</b> (5 Specializations)
<b>BJMC*</b> (5 Specializations)	<b>BIOSCIENCES</b>  <b>B.Sc.(H)</b> ♦ Biotechnology ♦ Microbiology
<b>MIB</b> with Additional PG Diploma ♦ Marketing ♦ Human Resource ♦ Finance	
♦ Advanced Certification in Business Analytics	<b>M.Sc.</b> ♦ Biotechnology

Phones: 0120-4980000 (+30 Lines), Mobile: 09599814461-65 | E mail: [director@imsuc.ac.in](mailto:director@imsuc.ac.in) | Toll Free: 1800-102-1214

WE HAVE NO BRANCH IN NOIDA



# GMA Organized 31st National Convention



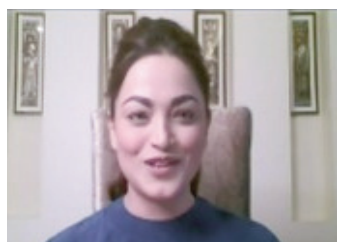
**GHAZIABAD:** Ghaziabad Management Association successfully organized its 31st National Convention on Sunday, 28th March 2021 over a virtual platform. An annual Convention is a Flagship event in our calendar. Every year we select a topic of relevance for the development of the nation and for industrial growth. The theme was Atma nirbhar Bharat – Journey ahead. In addition to the inaugural session, the convention will have two technical sessions and a valedictory session on the sub-themes “Convergence of Skilling and Employment;



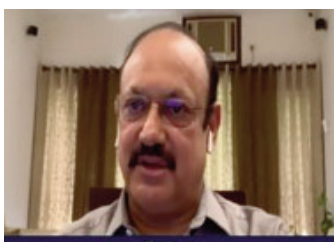
● Record no. of participation 10956

Embracing change & Transformation - Innovation, creativity & Re-engagement; and Governance & Sustainable Infrastructure.”2

The inaugural session was graced by Mr. CK Ranganathan, CMD, Cavinkare Pvt. Ltd & Sr. Vice President AIMA as the Chief Guest and B.K Shivani didi, a spiritual speaker, as the Keynote speaker.



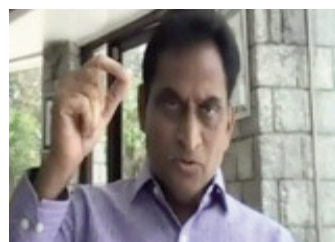
The Chief Guest’s message of creating the habit of reading, always keeping yourself updated and professionally competent as the first requirement, necessary R & D, buying things made in India were very important for developing local manufacturing capability and to retain the profits within the



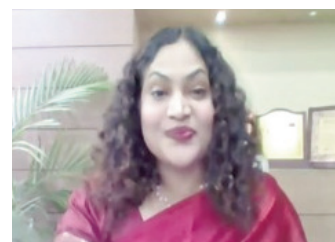
country, were extremely inspiring and is an important take-away. B.K Shivani didi maintained that if we need to create an Atma nirbhar Bharat, we will have to ensure that we ourselves are not situational dependent but become emotionally strong independent. Her inference of success as ‘safalta’ bringing in



a new dimension of life as being worthwhile was an important takeaway. There were 10956 delegates at one point of time during the convention and over 8000 remained till the end. Many of these will be represented by various reputed Industrial Houses, Management Institutes, Engineering Colleges, and



other Professional Bodies and students. The other distinguished speakers were Mr. Dilip Chenoy, Secretary-General, FICCI, Mr. Richard Rekhy, Board member, KPMG, Dubai, and Dr. Himanshu Rai, Director IIM, Indore. They all deliberated on the other three sub-themes respectively. Mr. Chenoy



dwelled upon the role of Academia in converging skilling and employment; Mr. Richard Rekhy deliberated on the role of Technology in innovation and embracing change for development; and Dr. Himanshu Rai shared his views on the role of the Government and society in making the country, self-reliant.

## Workshop on awareness program on IPR

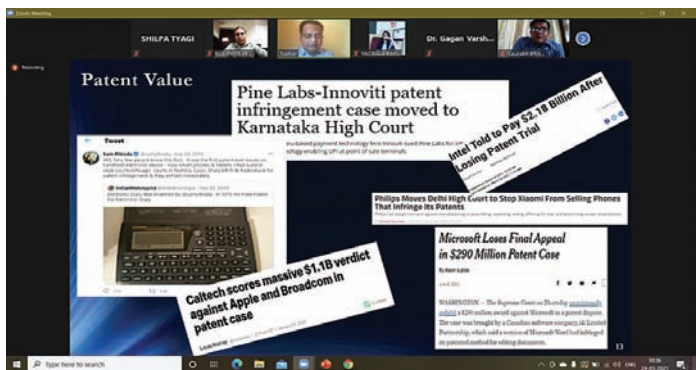


**GHAZIABAD:** Institute of Management Studies, Ghaziabad (University Courses Campus) has conducted “An Awareness program on IPR (workshop)” for faculty members of all departments. The objectives of the workshop were:

- To highlight upon types of IP Rights.
- Introduction to design cycle of patenting and designing.
- Aware and understand about patent, copyright and design
- Enabling participants to understand what can be patented and what can't be

patented.

Mr Saurabh Chauhan is an expert in patent monetization, infringement analysis, reverse code engineering and tear down analysis. He has performed 1000+ Patent Searches, 300 + Infringement Analysis and drafted many patent applications (for India, USA, Europe, PCT/WIPO). In particular, Saurabh holds a very significant space in the critical matters of Patentability Searches, Invalidation Searches, Freedom to Operate (FTO)/Clearance Search, Infringement Analysis,



Patent Preparation, Patent Filing and Preparing Responses to Office Actions. He quoted that patenting and copyright is something that is a necessity for every kind of idea and innovation.

Mr Tushar Srivastav brings experience of more than a decade in a broad range of Intellectual Property subject matters. He is an expert jury member for hackathons. He is also Bell Certified IP Professional and registered Patent Agent (India). He worked extensively in the area of IP and business strategy

development and became a known face in the domain of build-up patent portfolio development and management

**Learning Outcome:** The workshop made participants know about the various IP Rights such as Trademark, Patenting, Copyright and different myths of patenting. The workshop also makes participants aware of government promotion policies for IPR in academia and their impact on the economy. It also made participants know about the patent cycle and design cycle.

## IMS conferred with ‘Best Management Institute with Innovative Curriculum’ Award

**GHAZIABAD:** It is a moment of double pride and pleasure to share that IMS Ghaziabad was conferred with the ‘Best Management Institute with Innovative Curriculum’ and Dr. Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad with ‘Exemplary Contribution in Higher Education for Global Vision and Outlook’ awards by Honorable Shri Suresh Prabhu, India's Sherpa to the G7 and G20, during the 3rd Industry Academia Integration Conclave 2021 organized by Federation For World Academics on Friday, March 26, 2021, where she thanked Shri Nitin Agarwal, Managing Trustee, IMS Ghaziabad for his constant guidance and leadership.

During the occasion, the Panel Discussion on the theme, ‘Inclusive Education’ witnessed the presence of a galaxy of intellectual minds like Prof. (Dr.) Urvashi Makkar, Director, IMS



Ghaziabad, Avadhesh Dixit, GPHR (Session Moderator), CHRO, Acuity Knowledge Partners, Kiran DM, CEO, ONGC Foundation, Anil Kumar

Reddy, CEO and Co-Founder, Donatekart, Gagandeep Bhullar, Founder and CEO, SuperHuman Race & Arun Singh Panwar, CEO, Ekta Shakti Foundation.

## HR Panel Discussion on ‘Demystify and Deconstruct HR Best Practices in Complex and Volatile Environment’

**GHAZIABAD:** To broaden the outlook of the PGDM students, IMS Ghaziabad organized the HR Panel Discussion on ‘Demystify and Deconstruct HR Best Practices in Complex and Volatile Environment’ on Saturday, March 20, 2021. The event was graced by the presence of distinguished corporate speakers, Ms. Madhura Mukherjee, Gold Project Manager, Genpact, Mr. Vir Bharat, HRBP Head, Yamaha Motor Solutions & Mr. Arun Chawala, Senior Talent Acquisition, Best

RPO. The discussion was initiated with the inaugural address by Prof. (Dr.) Urvashi Makkar, Director, IMS, who highlighted the need to learn, unlearn and relearn with the changing priorities and processes in the corporate sector. The esteemed panelists abreast the students with the latest trends & skills of HR profile and emphasized on how contemporary technologies like AI, Robotics, Chat Bots etc. are aiding the HR functions in the perpetually changing milieu.

## “International conference on managing inflection point in changing landscape:” (ICMIC-21)

**GHAZIABAD:** With immense pleasure, we feel privileged to inform you that we are organizing “International Conference on Managing Inflection Point in Changing Landscape.” Through Technological Innovations (ICMIC-21) on April 24, 2021 at IMS Ghaziabad. Under the patronage and leadership of Shri Nitin Agarwal, Chief Patron, IMS Ghaziabad & Prof. (Dr.) Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad, more than three hundred delegates are expected to present their research papers on

various themes in the conference from across the world. In total, the Conference will witness more than 500 participants. We are elated or share that the international conference will be graced by corporate luminaries like Mr. Sunil Raina, President, Lava International as Chief Guest, Mr. Satish Koul, Vice President, Hitachi as Presidential Speaker and Mr. Rakesh Gaur, President Railway Division, Kalpataru Power Transmission Limited, Mr. Kamalendu Bali, Director, Concentrix, Mr. Ameet

Sethi, Branch Head, DBS & Mr. Rohit Gandotra, Country Head, Sales & Mktg., NA, 10 times Pvt Ltd as our distinguished plenary speakers. The event will also witness the online presence of eminent plenary speakers like Dr. Michael Dutch, Professor of Business Management, Guildford College, North Carolina, USA, Mr. Ashish Patel, MD, Morgan Franklin, Washington, USA, Ms. Sultana Princess, Maria Amor & Mr. Ashish Bansal, Vice President, Bansal Consulting, California, United States.

## Bharat Ratna Dr. A.P.J. Abdul Kalam national level debate competition on “Can Artificial Intelligence replace Human Intelligence”

**GHAZIABAD:** To enhance the intellectual and competitive spirit among future managers, IMS, Ghaziabad presents the 3rd series of Bharat Ratna Dr. A.P.J. Abdul Kalam National Level Debate Competition at grounds of IMS Ghaziabad on Saturday, 10th April, 2021. The Topic for the debate will be “Can Artificial Intelligence replace Human

Intelligence”. There are attractive prizes for the winners in the various categories – For 2 Best Debater Prizes- Rs. 5000/- each, 2 Eloquent Debater Prizes- Rs. 4000/- each, 2 Proficient Debater Prizes – Rs. 3000/- each, 4 Rising Star Debater Prizes – Rs. 1000/- each & Consolation prizes. Certificates will be given to all participants. Kindly visit: <https://lnkd.in/d9wzUqv>

# यूजीसी-नेट के लिए योग्य होंगे सीए, सीएस और आईसीडब्ल्यू के छात्र



**नई दिल्ली।** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स अकाउंटेंट (आईसीडब्ल्यू) की डिग्री को पोस्ट ग्रेजुएशन के बराबर मान्यता दे दी है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) एवं अन्य संस्थाएँ यूजीसी से लंबे समय से यह माँग कर रही थीं। आईसीएआई का कहना है कि इस फैसले से सीए, सीएस एवं आईसीडब्ल्यू के छात्रों को उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद मिलेगी। कंपनी सचिव डिग्री धारकों को

अब वाणिज्य और सम्बंध विषयों में पीएचडी करने का अवसर मिलेगा। यूजीसी के फैसले के बाद आईसीएआई के अध्यक्ष सीएस नागेन्द्र डी राव ने कहा कि - ‘इस मान्यता से कंपनी सचिवों के लिए अवसरों की एक और दुनिया खुल जाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी सचिवों की माँग, कुशल पेशेवरों के रूप में सर्वव्यापी और अपरिहार्य दोनों हैं।’ आपको बता दें आईसीएआई एक वैधानिक संस्था है जिसे एक्ट ऑफ पार्लियामेंट - द चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एक्ट 1949 के तहत स्थापित किया गया था। इस

संस्था से 3 लाख से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं। 12वीं पास करने के बाद आईसीएआई एंट्रेंस एक्जाम के जरिए सीए फाउंडेशन कोर्स में एडमिशन ले सकता है। आईसीएसआई के अनुसार - ‘संस्थान में एक पूर्ण शैक्षणिक और अनुसंधान विंग भी है जो अपने सदस्यों और छात्रों के कौशल और विशेषज्ञता को बढ़ाता है और उन्हें कॉर्पोरेट प्रशासन, कंपनी कानून, सीएसआर, कर कानून, प्रतिभूति कानून, पूंजी बाजार, वित्त, लेखा, आर्थिक और अन्य वाणिज्यिक कानून जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए प्रोत्साहित करता है।’ आईसीएआई के अध्यक्ष सीएस नागेन्द्र डी राव ने कहा, ‘पाठ्यक्रम सामग्री को वैश्विक शासन ढाँचे की बदलती गतिशीलता के साथ तालमेल रखने के लिए डिजाइन किया गया है।’ यूजीसी के इस फैसले से सीए पेशे से जुड़े लोग बेहद खुश हैं और उन्होंने आईएमएस डूडे को अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है-



यूजीसी की यह यह मान्यता सीए, सीएस और सीडब्ल्यू के छात्रों के लिए वैश्विक अवसरों के कई दरवाजे खोलेंगी। अब वे कई ऐसे क्षेत्रों में भी अपने कौशल का उपयोग कर पाएँगे जो अभी तक उनकी पहुँच से बाहर थे। मैं दावे के साथ कह सकती हूँ कि सीए और सीएस का व्यवसायिक पाठ्यक्रम एमकॉम और एमबीए की तुलना में काफी विस्तृत एवं उच्च स्तर का था बावजूद इसके ऐसे छात्रों को पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाले छात्रों के बराबर नहीं समझा जाता था। उन्हें उच्च शोध के लिए योग्य नहीं माना जाता था। काफी संघर्षों के बाद अब यूजीसी का यह फैसला अपने पक्ष में आया है जिसका हमें गर्मजोशी से स्वागत किया जाना चाहिए। अब हम भी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करके, उच्च शोध करके महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षण पेशे को अपना सकते हैं।

सीए योग्यता स्नातकोत्तर डिग्री के बराबर होगी यह सभी सीए सदस्यों को सभी भारतीय विश्वविद्यालयों में पीएचडी, नेट, सहायक प्रोफेसर जैसे उच्च अध्ययन को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। यह विश्व स्तर पर सीए सदस्यों की गतिशीलता को भी सुविधाजनक बनाएगा। यह सीए सदस्यों के लिए विभिन्न नौकरी के रास्ते के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार खोल देगा। यह सीए के सदस्यों को उच्च पेशेवर पाठ्यक्रमों और वहाँ पर उच्च अध्ययन के लिए विदेश जाने में भी मदद करेगा। तो कुल मिलाकर यह हमारे भविष्य के परिप्रेक्ष्य में हमारे सभी सीए बिरादरी के लिए बहुत महत्वपूर्ण और स्वागत योग्य निर्णय है।

- : विपिन रस्तोगी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, नोएडा



## सीए परीक्षाओं का शिड्यूल जारी

- सीए इंटरमीडिएट की परीक्षाएँ 22 मई और फाइनल परीक्षाएँ 21 मई से शुरू होंगी।
- ओल्ड स्कीम और न्यू स्कीम के तहत ग्रुप कके लिए इंटरमीडिएट परीक्षाएँ 22, 24, 27 और 29 मई को आयोजित होंगी।
- ग्रुप कके लिए इंटरमीडिएट परीक्षाएँ 31 मई, 2 जून और 4 जून को होंगी।
- ओल्ड स्कीम और न्यू स्कीम के तहत ग्रुप कके लिए सीए फाइनल कोर्स की परीक्षा 21, 23, 25 और 28 मई को होगी।
- ग्रुप II के लिए फाइनल कोर्स की परीक्षा 30 मई, 1 जून, 3 जून और 5 जून को आयोजित होगी।



# The foundation of a road to independence: Neev Shakti



**Ghaziabad:** God has given the same characteristics to animals and people- what makes us different from the animals is our ability to empathize. The aptitude to feel the pain of our counter partners makes us human. position in societies or simply some physical attributes that we have and they don't. The extra we have does not make us superior. Truly what have we done to deserve more, it just makes us blessed and capable of doing something special for the under privileged, for the people who have nothing.

The foundation of Neev Shakti has been laid in our beautiful school by a group of teachers who believe they can make a difference in this uncaring but fascinating world. Teaching children they realized that there are many children who do not have the facilities to receive an education. Especially in this world ravaged by a surging pandemic, children of the poor suffered from no means to receive education via internet facilities. They started teaching in their neighborhood every Sunday. Soon the number of children in the



small school grew from 20 to 70 and they are still growing. The attention of the NGO was grabbed by the beautiful children coming to Asha Vidyalaya. Asha Vidhyalaya (School of Hope) is specially designated to meet the special educational needs of the children and young adults belonging to disability categories i.e. hearing and speech impairment, mental impairment, and physical impairment. They had so much to give to the world but their physical dependencies rendered them helpless. Our government has

initiated many schemes and programs to help them but these policies are somehow unable to reach them. The NGO's most important aim is to educate the children about the policies made for them so they seize the options available to them and achieve a sense of independence in this world. With the help of prominent government officials who were more than willing to help them when they saw the plight of the children. The NGO has been able to procure disability certificates for more than 40 children. With the help of



these cards, these special children of God will get benefits in terms of education, jobs, purchase of property and their parents can avail of many tax benefits. This is the start of hope for them—which was deprived of them earlier. The happiness on their face when they receive these government papers surpasses any materialistic joy. “We started the journey with a hope to bring goodness in the world. Hopefully, this will be a long journey. I invite each and everyone out there to accompany us on our expedition. I promise you that the destination is worth the effort” Mrs. Richa Ballabh – Founder and CEO of Neev Shakti

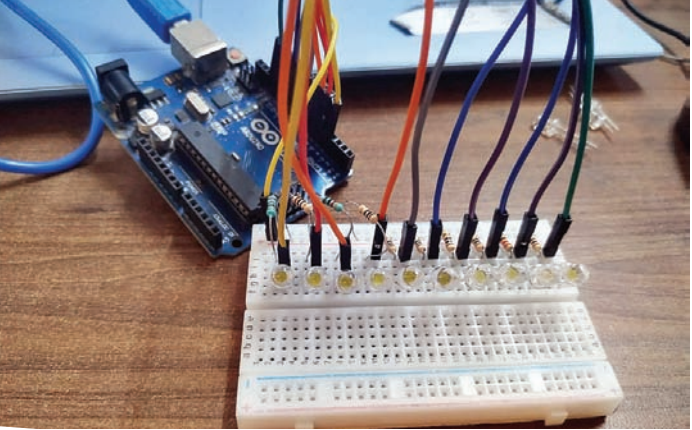
# Artificial Intelligence – A Child's Play



**Ghaziabad:** The excellence of technology, the spark to innovate, the ability to create something new made the students of KDB take a gigantic step in creating history by participating in the Boot Camp which was organized from 15th to 25th March 2021. This was the time when students from classes I to XII enthusiastically participated in the camp under an initiative by Atal Tinkering Labs which was supported by prestigious Niti

Ayog, known for igniting high standards of innovation, interest, and informative skills in young minds. Along with the pursuance of academic goals, KDB today has designed a niche for itself as a pioneer agency inviting young scholars to march ahead on the path of technological advancement. It is indeed an honor that despite the global threat of the deadly virus, the inner strength of doing something marvelous won

over and Kdbians got on to do the exemplary tasks of creating par excellence projects using Aurdino, Android App development, coding using Scratch, etc which received applaud from mentors. The active participation of young learners paved a new path of learning in the otherwise dismal times thus redefining the



concept of computer learning. On one hand the beginners from classes I to V learned graphic design using Scratch, Code.org and seniors enjoyed making an

electronic, 3D design using Tinker Cad, Android App development, electronic projects, etc. At the end of the boot camp, it was clearly visible that the hard work and creativity of the students could defeat even the toughest enemy bringing the spirit of resilience to the fore. It seems that the strength of learning imbibing and creating has just gathered its wings and is enthused to take on more challenges on its way.

## Pandemic term "New Normal"

**PINKY JINDAL -Smt. Kamla Agarwal Public School**

One of the most used terms after the pandemic is the term "New Normal". The new normal in education is that the inflated use of on-line learning tools. Through online education, we can attend classes from any location of our choice. Classes can be taken from home or location of choice so there are few chances of missing out on lessons. But because of online classes, various disadvantages were seen like internet connectivity, there can be a lack of continuity in learning. After the online education, there is a task which we faced.

With offline learning, it is easier to ensure paying attention to the training and skills. As there are benefits to both learning options. Whereas classroom teaching is important to encourage and motivate clearing than online learning. Because of the offline classes, various students have faced the problem like not available on their city (because of a pandemic), fear of corona disease. Most of the lectures will be left due to unavailable. So, offline mode is not better than online mode. With online learning, the training can be conducted from practically anywhere in the world.

We all know, how the whole world is facing a huge problem due to coronavirus. All of us need to make the most of this time and do/learn new things that would prove to be beneficial for us. Taking online classes offers the comfort of home to every student. By offline classes or traditional methods are -students could pay more attention to the teacher. Students would focus more on their studies. There is more interaction between students and teachers.

But there are also disadvantages of offline classes these are -there is a wastage of time and resources. Students could be less comfortable as compared to the online mode of classes/training. We can't learn and update about advanced Technology.

By online classes /training, there are online classes /training that save time and resources. We (students) could be more comfortable as compared to the offline mode of classes. Students could get a chance to know about the current technology scenario of teaching. But there are also disadvantages or negative aspects of online classes these are - teachers unable to pay equal attention to the students. Students would focus less on topics. There is less interaction between students and teachers.

Online learning provides many channels through which students and instructors interact with each other, including email, online chat, and video chat. Whereas in classrooms there is only one way of teaching.

But in classrooms, it makes it possible for students to have direct interaction with instructors and students. So, the conclusion is that offline mode of learning and online mode of learning both are important for learning methods.

# होली आई रे ... पर कहाँ से और कैसे ?

ज्योतिष के अनुसार प्राचीन काल से ही फाल्गुन मास की शुक्लपक्ष की पूर्णिमा को यह पर्व मनाया जाता है। इसके बाद आने वाले अगले चैत्र मास से नव वर्ष का आरंभ होता है। इसलिये होली का पर्व हमारे नव वर्ष का पहला त्योहार है। वसंत ऋतु में मनाये जाने वाले त्योहार होली व अन्य भारतीय परंपरा के जितने भी पर्व या त्योहार हैं वे सभी पौराणिक पृष्ठभूमि से जुड़े हैं। प्राचीन भारत में हमारे ऋषि-मुनि विज्ञान में इतने पारंगत थे कि इनके द्वारा सभी त्योहारों के साथ वैज्ञानिक और पर्यावरण पक्ष को भी बड़ी सजगता से जोड़ा गया है।

**पौराणिक कथाओं में होली**

ब्रह्मा के मानस पुत्र मारीच और मारीच से उनके पुत्र कश्यप। कश्यप ऋषि की गिनती हमारे तारामंडल में चमकते सितारों सप्त ऋषियों में भी होती है। हमारे वेदों व पुराणों में यह बताया गया है कि कश्यप ऋषि के द्वारा ही पृथ्वी पर विभिन्न जीवों की उत्पत्ति हुई है। इनमें देव-दानव, नाग-किन्नर, जलचर-थलचर व नभचर आदि सभी प्रकार के जीव शामिल हैं। महर्षि कश्यप का विवाह प्रजापति दक्ष की 13 कन्याओं के साथ हुआ था। उनमें से अदिति व दिति प्रमुख थीं। अदिति के द्वारा देवताओं के राजा इंद्र व अन्य देवताओं की उत्पत्ति हुई वहीं दिति के द्वारा हिरण्यकश्यप व हिरण्यशक्ष जैसे विकट दानवों की उत्पत्ति हुई। इस कहानी में भगवान विष्णु द्वारा वराह अवतार में हिरण्यशक्ष का वध किया गया था। इसलिये हिरण्यकश्यप अपने भाई की मृत्यु के शोकवश भगवान विष्णु के विरुद्ध हो गया और उसने ब्रह्मा की घोर तपस्या कर उनसे अमरता का वरदान मांगा परन्तु अमरता का वरदान न मिलने पर उनसे ऐसा वर मांगा कि उसे मारना कठिन हो जाये। भाई की मृत्यु का बदला और अपनी शक्ति के अभिमान के कारण उसने पहले अपने सौतेले भाई इंद्र से स्वर्ग छीन व उसके बाद अपने राज्य में नारायण के नाम को वर्जित



कर दिया और स्वयं को भगवान घोषित कर दिया। परंतु उसके चार पुत्रों में से एक प्रह्लाद भगवान विष्णु यानी नारायण का उपासक बन गया। प्रह्लाद के पिता हिरण्यकश्यप को यह नागवार गुजरती। उसने प्रह्लाद को जान से मारने के कई निष्फल प्रयास किए। हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका के माध्यम से प्रह्लाद को मारने का प्रयास किया लेकिन इस घटना में होलिका मारी गयी और प्रह्लाद बच गये। होलिका के अग्नि में समाहित होने व बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के कारण हम आज भी होली पर्व की पूर्व संंध्या पर होलिका दहन का आयोजन करते हैं व अगले दिन सुबह प्राकृतिक रंगों के प्रयोग से इस पर्व को परिवार व समाज सहित होली खेलकर उत्साह पूर्वक मनाते हैं। बाद में भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार द्वारा हिरण्यकश्यप का वध किया।

**कैसे मनाते हैं होली का पर्व?**

भारत के उत्तरी भाग में होली के त्योहार की शुरुआत कई दिनों पहले से हो जाती है। सबसे पहले किसी सार्वजनिक स्थान पर होली का डंडा या झंडा गाड़ा जाता है फिर वहाँ अग्नि के लिये सूखी लकड़ियाँ और गाय के गोबर से बने उपले रखे जाते हैं। इसी प्रकार अपने घरों में भी गाय के गोबर से बने विशेष उपले बनाये



जाते हैं जिनके बीच में छेद होता है। इस छेद में मूँज की रस्सी डालकर माला बनाई जाती है। इसे हम कई नामों से जानते हैं जैसे भरभोलिया या गुलरिया। इसकी कई मालाओं को व्यवस्थित करके इसे घर के अहाते या खुले आंगन में रखा जाता है।

होली के पूर्व संंध्या पर पंडितों द्वारा बताये गए शुभ मुहूर्त पर होलिका दहन किया जाता है व सभी लोग उस अग्नि स्थान की पूजा करके उस अग्नि का चक्कर लगाते हैं। दहन के समय उसमें से अग्नि लेकर अपने घरों में स्थित छोटी होली को जलाकर उसमें नये अनाज जैसे गेहूँ की बाली व चने के होले आदि को भुनकर खाते हैं। गांवों में देर रात तक होली के गीत गाये जाते हैं व नृत्य आदि का आयोजन किया जाता है। दूसरे दिन सुबह से ही बच्चे व अन्य लोग विभिन्न प्राकृतिक रंगों के प्रयोग से होली खेलते हैं। मित्र आपस में गले मिलते हैं और सगे संबंधियों से भी मिलते हैं। सामाजिक लोग आपस में अपने पुराने गिले शिकवे मिटाकर एक दूसरे को रंग लगाते हैं व मिष्ठान खाते हैं। भारत में ब्रज की होली जग प्रसिद्ध है। देश-दुनिया के सभी लोग होली के अवसर पर ब्रज की होली खेलने जरूर जाते हैं। एक दूसरे पर रंग डालते समय बुरा न मानो होली है। इस त्योहार का सबसे प्रचलित वाक्य है जो कि

होली के समय अवसर सुनने को मिलेगा।

**होली के पीछे वैज्ञानिक कारण**

शीतऋतु की समाप्ति और बसंत ऋतु के आगमन के साथ हमारे पर्यावरण और शरीर में हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि हो जाती है। ऐसे में होलिका दहन के दौरान जब लोग परिक्रमा करते हैं तो होलिका से निकलने वाली गर्मी शरीर व पर्यावरण में स्थित हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट कर देती है। इससे पर्यावरण स्वच्छ व हमारा शरीर स्वस्थ होता है।

मार्च-अप्रैल का महीना में रवि की फसल कटने वाली होती है। मनुष्यों को खाने के लिये नया अनाज मिलता है। पेड़-पौधे अपने पुराने पत्तों को पतझड़ के माध्यम से हटाकर नये पत्ते धारण करते हैं। इससे प्रकृति और सुंदर लगने लगती है।

इस त्योहार पर ऋतुएँ बदल जाती हैं। शरद ऋतु का अन्त और वसन्त ऋतु का आगमन होता है। मौसम ठंड से गर्म होने लगता है। ऐसे में शरीर में थकान व सुस्ती महसूस होती है। नरसों में ढीलापन आने से खून का प्रवाह भी हल्का हो जाता है और शरीर आलसी हो जाता है। इसे दूर भगाने के लिये होली के समय फाग का आयोजन होता है। जिसमें सभी लोग होली की मस्ती में जोर-जोर से गाना बजाना आदि करते हैं जिसके कारण हमारे शरीर पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

होली के मौके पर लोग अपने घरों की साफ सफाई करते हैं जिससे धूल मच्छरों व अन्य कीटपतंगों का सफाया हो जाता है। रंग उत्साह का प्रेरक है जो जीवन में नया उत्साह और सफूर्ति भरता है। पहले के समय में लोग हल्दी, चन्दन व पलास के फूल व अन्य प्राकृतिक फूलों के प्रयोग से रंगीन पानी और अबीर व गुलाल तैयार करते थे। वनस्पतियों से बने रंगों के कारण त्वचा और चमकदार और स्वस्थ रहती है और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

## Knowledge

## Solve Quiz No. 78

## For Students

Solve the following quiz and reply promptly through email. Names and photos of students who answer correctly will be published in IMS TODAY. IMS Engineering college students can provide reply through personal submission-Editor. Email [imstoday.imsec@gmail.com](mailto:imstoday.imsec@gmail.com)

**1. A type of plastic that is biodegradable, the ingredient that makes it biodegradable is**

a) Vegetable oil  
b) Petroleum  
c) Cornstarch  
d) Leather

**2. At room temperature, most elements are in which phase of matter?**

a) Solid  
b) Gas  
c) Liquid  
d) Plasma

**3. Who is called the Father of the Nuclear Navy?**

a) Edward Teller  
b) Robert Oppenheimer  
c) Hymen Rickover  
d) Chester Nimitz

**4. Which of the following is primarily composed of calcium carbonate?**

a) Fish scales  
b) Shark teeth  
c) Oyster Shells  
d) Whale bones

**5. What radioactive element is routinely used in treating?**

a) Iron-59  
b) Gold-198  
c) Cobalt-60

**6. Yeast, used in making bread is a:**

a) Plant  
b) Fungus  
c) Bacteria  
d) Seed

**7. Pollination by wind is called**

a) Autogamy  
b) Entomophily  
c) Anemophily  
d) Ormithophily

**8. The radioactive element most commonly detected in humans is**

a) Potassium-40  
b) Cobalt-60

**9. Radioisotopes which are used in medical diagnosis are known as**

a) Tracers  
b) Silver bullets  
c) Markers  
d) Dyes

**10. What substance was used as a moderator for the chain reaction in the first nuclear reactor?**

a) Graphite  
b) Boron  
c) Water  
d) Cadmium

### Participation format

Quiz No.....										
Name of Student.....										
(also attach your PP size Photo)										
Class.....	Year.....									
College Name.....										
Mobile Number.....										
Email.....										
Present Address.....										
Permanent Address.....										

**Answers (QUIZ-77) March, 2021 issue:**

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
b	d	d	d	b	b	a	c	b	a

Prepared By: Prof. Pradeep Kumar, Assistant Professor (AS&H)



# बूँद-बूँद बचाओ ताकि बचा रहे जीवन!

पिने के पानी की कमी से अकेले भारत में करोड़ों लोग जूझ रहे हैं। बहुत से इलाके ऐसे हैं जो पीने के पानी के टैंकर पर निर्भर हैं। सवाल उठता है क्या यह समस्या स्वतः पैदा हुई है या इसके जिम्मेदार हम खुद हैं ? दरअसल प्राकृतिक संसाधनों के प्रति हमारी संवेदनशीलता नगण्य है। हम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग और उपभोग तो करते हैं परन्तु उनके संरक्षण व संवर्धन के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचते। पानी को लेकर दूरदर्शिता के अभाव ने गंभीर संकट की स्थिति में पहुँचा दिया है।

धरती पर कुल 71 फीसदी पानी है। कुल पानी का 97 फीसदी पानी समुंदर का है जो खारा है हमारे उपयोग का नहीं है। महज 3 फीसदी पानी ऐसा है जो हमारे उपयोग का है। उस 3 फीसदी में भी 2 फीसदी से भी अधिक ग्लेशियरों व ध्रुवों पर जमी बर्फ के रूप में है। अर्थात् 1 फीसदी से भी कम पानी नदियों, तालाबों, झीलों व धरती के भीतर है जिसे हम दैनिक उपयोग में लाते हैं। बारिश का पानी नदियों, तालाबों और झीलों में इकट्ठा होता है और यही पानी छनकर धरती के भीतर जाता है और धरती का जलस्तर बढ़ता है। धरती का जलस्तर बढ़ने से पूरे साल पीने के पानी की कमी नहीं होती। दुर्भाग्यवश इस दिशा में हमने कभी सोचा ही नहीं। जल संरक्षण के जो पारम्परिक तरीके थे धीरे-धीरे खत्म करते चले गए। तालाबों को पाट दिया गया। कुँओं में मिट्टी डाल दी गई। कंकरीट की सड़के बनती गईं। बारिश का पानी नालों के माध्यम से नदियों में गया और बिना किसी उपयोग के नदियों से समुंदर में जा मिला। आज स्थिति ये है कि हम पानी की कमी का रोना रो रहे हैं।

केंद्र सरकार ने सूझबूझ एवं दूरदर्शिता का परिचय देते हुए जल संरक्षण को लेकर कई ठोस कदम उठाए हैं। पिछले महीने 22 मार्च को विश्व जल दिवस के मौके पर देश के प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण को लेकर देश के नागरिकों से आगे आने का आह्वान किया है। उन्होंने छाजल शक्ति अभियान-कैच द रेनफ़ॉ नाम से शुरू की ऐतिहासिक मुहिम से जुड़ने व अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। इस मुहिम का उद्देश्य है कि बारिश के पानी को बचाने के जितने भी पारम्परिक एवं आधुनिक रास्ते हैं उनको कैसे से पुनर्जीवित एवं संरक्षित किया जाए। हम सबको ध्यान रखना होगा कि नदियों, तालाबों, पोखरों और कुँओं में जब भरपूर मात्रा में पानी संरक्षित होगा तभी धरती के भीतर का जलस्तर बढ़ेगा। यदि बचेगा जल तभी रहेगा कल। देश के प्रधानमंत्री ने लोगों से आह्वान करते हुए कहा कि जहाँ भी गिरे और जब भी गिरे, वर्षा जल इकट्ठा करें। 22 मार्च से शुरू हुआ यह अभियान 30 नवंबर तक चलेगा।

# Banana Pi: The next generation of single-board computer

**Overview**

In an era of globalization, the world is becoming more interconnected through technological advances. As the benefits of integrated systems are more and more understood, innovation in the smart environment is gradually promoted. The popularity of smart phones and their high-touch support make it easier to build applications that connect sensors to objects. The Internet of Things is becoming more and more sophisticated in order to enable the convergence of technologies so that anything can be connected to any project and anyone using any path/network and any service, anytime, anywhere.

After more than seven years of development, the Banana Pi open-source community's hardware technology, and the software system slowly improved. Banana Pi series hardware supports hundreds of sensors and hardware series, due to the support developers around the world, has accumulated a large number of software code, documents and other technical data, with the support of the global developer, all of the hardware platform, interconnection, developers can completely with banana Pi development board series, complete all the IoT application development, technical validation and product prototype, and all of the software is based on open source.

**Banana Pi**

Banana Pi which is a new single-board computer that is powered by a much faster

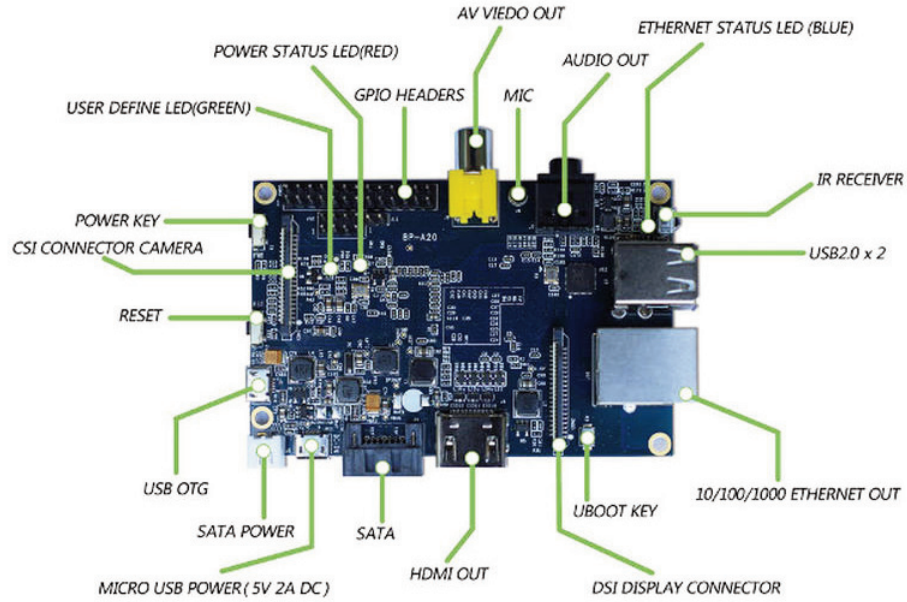
processor and more RAM. It is a single-board computer, which enables you to build your own individual and versatile system. In fact, it is a complete computer, including all the required elements such as a processor, memory, network, and other interfaces, which we are going to explore. It provides enough power to run even relatively complex applications suitably.

Banana pi provides an open-source hardware platform that was produced to run Elastos.org's open-source operating system. It is a dual-core Android 4.2 product that is better than Raspberry Pi. It is highly efficient with several Linux distributions in the market like Debian, Ubuntu, OpenSuse and images that run on Raspberry Pi and Cubieboard. It consists of a Gigabit Ethernet port and a SATA socket. The size of Banana pi M1 is about the same size as a credit card. It has the potential to run the games smoothly as it supports 1080P high-definition video output.

The GPIO is compatible with Raspberry Pi, and it can run Raspberry Pi images directly. Several versions of Banana pi are available in the market like Banana pi M1, Banana pi M+, Banana pi Pro, Banana pi G1, etc. All versions come along with the enhanced capabilities like operating system support, available RAM,



Dr. RPS Chauhan  
Prof. and HOD (ECE)



- ✓ HDMI
  - ✓ SATA 2.0
- Applications**
- The main reason you would use a computer board like the Banana Pi would be for its power. These are relatively powerful boards that can handle intensive tasks, especially if clustered: The Banana Pi is very capable of functioning in a responsive network cluster. Speaking of efficiency, a cluster of SBCs can be more cost-efficient than single high-performance chipsets. Banana Pis come with up-to-date specs for an SBC and are also customizable thanks to the ports available. Some even come
- Hardware Specifications of Banana Pi**
- ✓ Dual core A20 CPU 1GHz
  - ✓ Mali 400MP2 GPU
  - ✓ 1 GB DDR3 RAM
  - ✓ 10/100/1000 Ethernet
  - ✓ 2 USB 2.0

# पढ़ोगे, लिखोगे के साथ अब खेलोगे तो भी बनोगे नवाब!

मनुष्य के लिए स्वास्थ्य का होना अत्यंत आवश्यक है। हमें यह पता है कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है। हम यह भी कह सकते हैं कि एक स्वस्थ मस्तिष्क के लिए स्वस्थ शरीर का होना अनिवार्य है। जब हमारा शरीर और मस्तिष्क स्वस्थ होगा तो हम अच्छी सोच व अच्छे विचार को जन्म देंगे।

वैदिक काल से ही हमारे पूर्वजों ने निरोगी काया अर्थात् स्वस्थ शरीर को प्रमुख सुख माना है। खेल, योग अथवा व्यायाम की हमारे जीवन में उतनी ही आवश्यकता है जितनी कि जीवन को जीने के लिए भोजन व पानी की है। आजकल की जीवनशैली मानो बदल ही गई है। रोज की भाग दौड़ में हम आज अपने शरीर को भूल ही गए हैं। आजकल समस्त अच्छी-बुरी आदतों का हमारे जीवन पर स्थाई प्रभाव पड़ता है।

अध्ययन के साथ-साथ व्यायाम भी मनुष्य के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है। आज स्कूल और कॉलेज में खेलों को बराबर महत्व दिया जाने लगा है। जिससे विद्यार्थी का मन और तन दोनों पूर्ण स्वस्थ होते हैं। खेलों से उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और वह बाकी विद्यार्थियों की तुलना में अधिक चुस्त दुरुस्त होते हैं। खेलों से उनमें एकाग्रता, धैर्य, सहनशीलता, क्षमा जैसे गुणों का विकास अधिक होता है और जीवन में बुरी आदतें

जैसे सिगरेट, शराब व अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचा जा सकता है। आज हमारे देश में योगासन, दौड़, कुश्ती, तैराकी आदि व्यायाम की अनेक पद्धतियाँ प्रचलित हैं। खेलना भी एक तरीके का व्यायाम है। हॉकी फुटबॉल, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट आदि हमारे देश में प्रमुखता से खेले जाते हैं। हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है जिसमें हमारे देश के मेजर ध्यानचंद जी का नाम देश विदेश में विख्यात है। उन्हें हॉकी का जादूगर भी कहा जाता है। इसके अलावा हमारे देश में क्रिकेट, टेनिस, शतरंज जैसे खेलों की लोकप्रियता भी काफी बढ़ी है।

खेलों को हम दो प्रकार से विभाजित कर सकते हैं। जिसमें कुछ खेल जैसे टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम आदि इंडोर गेम्स हैं जो घर के अंदर हॉल में खेले जाते हैं। उसी तरह हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट तथा भागदौड़ वाले खेल आउटडोर गेम्स अर्थात् घर के बाहर खेले जाने खेल होते हैं। आउटडोर खेलों को खुले वातावरण में उछल कूद के साथ खेलते हैं। वे स्वास्थ्य के लिहाज से अधिक उपयोगी होते हैं। खेल मनुष्य को अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करने के साथ-साथ टीम भावना जागृत करते हैं।

यदि हम विकासशील देशों की तुलना में

विकसित देशों के लोगों को देखें तो उनका स्वास्थ्य अधिक बेहतर है। वे शारीरिक व मानसिक दोनों ही रूपों में तुलनात्मक दृष्टि से अधिक स्वस्थ हैं। आज सभी देशों ने प्रारम्भ में ही शिक्षा के साथ खेलों को अधिक महत्व दिया है जिससे उनके नागरिकों, विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव हुआ।

आज हमारे देश ने विश्व खेल जगत में विगत वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ भी अर्जित की है। अतः हम कह सकते हैं कि मनुष्य के सर्वांगीण विकास के लिए यह अनिवार्य है कि हम शिक्षा और खेल दोनों को बराबर महत्व दें। आज हमारे देश ही नहीं विश्व के स्वास्थ्य के लिए प्रारम्भ से ही युवकों को खेल के महत्व को समझाना चाहिए। आज अपने देश की सरकार की ओर से इसके प्रोत्साहन के लिए अधिक बजट व सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। देश में नए नए स्टेडियमों का निर्माण कराया जा रहा है और युवकों को सरकारी नौकरियाँ उपबल्य कराई जा रही हैं। जो युवक खेल जगत में देश का नाम रोशन करते हैं उन्हें अच्छी नौकरियाँ प्रदान की जाती हैं। खेल जगत में नाम कमाने वाले को अर्जुन पुरस्कार दिया जाता है।

आज खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। हर



स्कूल, कॉलेज में खेल के सामान व क्रीड़ा अधिकारियों की नियुक्ति कर रहे हैं। जिससे नई प्रतिभाओं को अवसर एवं उचित सुविधाएँ मिल रही हैं। इसके अतिरिक्त यह भी आवश्यक है कि देश का हर नागरिक व्यायाम व खेल के महत्व को समझे तथा उसे अपनाए जिससे कि बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव हो सके। आज हमारे माता

पिता भी खेलों के महत्व को भलीभाँति समझने लगे हैं। यह कहावत आज निराधार हो गई है कि -पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे कूदोगे होगे खराब। आज इस भागदौड़ वाली जीवनचर्या में बच्चों के मानसिक विकास के साथ शारीरिक विकास भी होना बहुत जरूरी है। उत्तम और पूर्ण जीवन का आदर्श है स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का होना, अपने

जीवन चक्र के लिए स्वस्थ शरीर का होना परम आवश्यक है। आज मानव जीवन में अनेक प्रकार की परेशानियाँ और तनाव हैं। लोग विभिन्न प्रकार की चिंताओं से घिरे रहते हैं। देखा जाए तो खेल और व्यायाम ही हमें इन चिंताओं, परेशानियों व तनावों से मुक्त कर जीवन में आगे बढ़ने का मौका देते हैं और हमें परेशानियों से लड़ने में उपयोगी साबित होते हैं।



## News Brief

## Alumni Speaks



**Name : Prashant Pandey**  
**Batch : 2014-2016, Course : MBA**

IMS Engineering College has been a great contributor towards the development of my personality. By participating in the inter-college and intra-college events conducted by the Management Institutes, I have established my leadership, time management and team skills and have also been able to advance these skills to a whole new augment level.

The infrastructure of IMSEC is one of the finest in the NCR region is what stands out the most. The professors here make the college what it is today. With an attitude of being ever ready to help, and not only

delivering classroom teachings, but also providing the students with real-time case studies and hands on industry experience with field project works, they are the pillars of the learning gained from this esteemed college and this is a treasure for life.

My two years at IMSEC were great and a memory to cherish for lifetime. It was full of learning and grooming oneself. It gave me an opportunity to meet different kinds of people and learned many things. I am thankful to all the faculties, mentors and the entire IMSEC as well as the placement cell. Overall it was a great experience and lifetime memory at IMSEC.

**Name : Sahil Manchanda**  
**Batch : 2014-2016, Branch : MBA**

I have always been an average student in class and never thought of taking commerce in graduation for further studies, but your destiny takes you where your goals reside so I accepted it and went with the flow. Sooner or later, I realised that an MBA could be a milestone for my career which will help me in developing and shaping my career towards the corporate sector.

Luckily, I got IMS to pursue my career into the professional world and trust me that is one of my finest decisions I have taken till now.

It was like a big family where everyone was helping you in shaping your career in every aspect. With proper guidance and path shown by the faculties and my mentor I have topped my college and secured a good job to start my professional career.

Currently I am working in J.P. Morgan & Chase, one of the finest American banks.



**Priya Mitra,**  
**IT (2010-2014) Batch,**

Uttar Pradesh Rajya Vidhyut Utpadan Nigam Limited (UPRVUNL), Shakti Bhawan, Lucknow.

I still remember that it took me so much time to convince my family to allow me to pursue my B.Tech in IT Branch in a different city (Ghaziabad) almost 500 Kms away from my hometown. However it proved to be one of the best decisions of my life to graduate from an esteemed and renowned institution like IMS Engineering College.

Not only it imbibed in me a will to succeed in life but also evolved my personality, interpersonal and decision making skills.

But as we all know, college life is not only about the education and skills we intake but a part of life which can never be replicated for the whole lifetime. Here I met lifelong buddies, had memorable days and learnt how to be caring, generous and a team player. Special mention and thanks to all the faculty of 1st Year to 4th Year of IMSEC who along with all my colleagues were like a second family away from my home. Slowly and gradually I realize how this college has helped shape my future and made me into a better being. I am and always will be proud to be a part of IMSEC College and IT department.

**Name: Vishal Agarwal**  
**Batch: 2012-16, Current company: TCS**  
**Designation: System Engineer**

I completed my graduation from IMSEC in 2016. The four years in this institute were a lifelong lesson for me. It gave me immense knowledge to give my best to the company that hired me. Being the class representative for 4 years, I was well versed in leadership skills & my communication skills got stronger & stronger with each passing day. The faculty staff, infrastructure & facilities in the institute are absolutely sufficient for a student to get the best in life. My heartfelt gratitude towards the Electronics & Communication department that helped me become a better person. The lessons learnt come to use today as well.



**Siddharth Wadhvani**  
**Batch: 2014-18, Branch: EC**

The college offers so much more other than academics. Being a student of ECE department I got various opportunities to have hands-on experience on technical projects, write research papers etc. The teachers and staff were always supportive of new projects and ideas. I also got an opportunity to have a research experience in University of Louisville, Kentucky, USA which was the turning point in my life and made me realise that I can be an entrepreneur. The college offers a whole package for students in terms of academics, cultural events, technical fests, placements, which overall leads to a better personality

of an individual.

**Hritik Yadav**  
**Batch: 2015-2019, Branch: EC**  
**Current company: TCS**

Profile/Designation: Assistant System Engineer  
IMSEC is one of the best Private College of AKTU, which provides good educational facilities. Faculty here are very Supportive and they take care of all the students. Also, college provide good opportunity in the field of Sports and Cultural activities which is very important in overall growth of a Student.



## Faculty of the Month



Congratulations!!! Mr. Vijay Kumar of EN for getting highest marks and announced as Faculty of the Month.

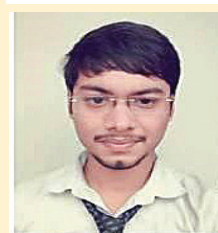
## Student's Achievement



**AIR 69**



**AIR 964**



**AIR 1860**



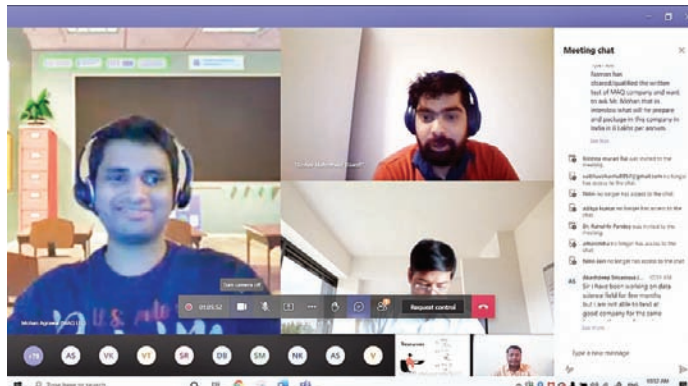
**AIR 1929**

Avantika Rai, Pragati Aggarwal, Ashutosh Khaswal and Protisha Sen, students of B.Tech Biotechnology program at IMS Engineering College, Ghaziabad qualified GATE-2021 with AIR 69, 964, 1860 and 1929, respectively.

## Alumni talk organized by IMSEC

**Ghaziabad:** A much appreciated and successful Alumni Talk was held on 21st March, 2021 (Sunday) in virtual mode. The talk was organized by the Alumni Committee with the assistance of Mr. Updesh Kumar Jaiswal, Assistant Professor, IT Department & Associate Convener of Alumni Committee of IMSEC.

It was a great moment to be amidst the intellectual Alumni of IMSEC (Batch 2011-15, IT Department) Mr. Mohan Agrawal (working with MAQ Software, Redmond, Washington, USA and currently pursuing MS at University of Washington, USA), Mr. Keshav Maheshwari (worked with TCS



and currently pursuing MBA at University of Liverpool, England, UK) and Mr. Vaibhav Kumar (Dell Technologies, Noida). In the session, all the three alumni shared valuable insights on how to prepare for the dream college for MS and MBA

and how to get placement in the dream company. They shared useful information about important companies to look for, their requirements and processes with 3rd and 4th year students of all the branches. They emphasized the significance of

online certifications and internships in placements and higher education.

Around 200 students from all the branches of engineering attended the Alumni Talk and interacted enthusiastically with alumni and got their queries solved by them. The students found the session informative and interesting. Many faculty members & HODs of different departments also joined the program. Prof. Monica Verma, Convener Alumni Committee appreciated the efforts of Mr. Updesh Jaiswal, Dr Pankaj Goel, Dr. Shomini Parashar, Ms. Anjali Sadana, Mr Amit Tyagi and the entire team for making the event successful.

## Online counselling session by Mr. Nikhil Bansal

**Ghaziabad:** IMS Engineering College organizes extension activities in schools as a part of Education Social Responsibility. Our extension activities are targeted towards enabling student development. As a series



of this, we are organising online counselling sessions by renowned Educator, Career Counsellor and Entrepreneur Mr. Nikhil Bansal for class XII students and their parents. The counselling session will support and boost the morale of students by understanding the kind of requirements for long term success and the overall performance.

## IMSEC organised holi celebration



**Ghaziabad:** The cultural committee of IMSEC celebrated "Holi - The festival of colours" on March 26, 2021, to keep the traditions and culture alive. It was enjoyed with lots of fun that consisted of singing, poetry etc. and delicious food. IMSEC family played Holi to relish their intense connections with a distinct culture. During the celebration, the IMSEC family felt a sense of togetherness and benevolence.



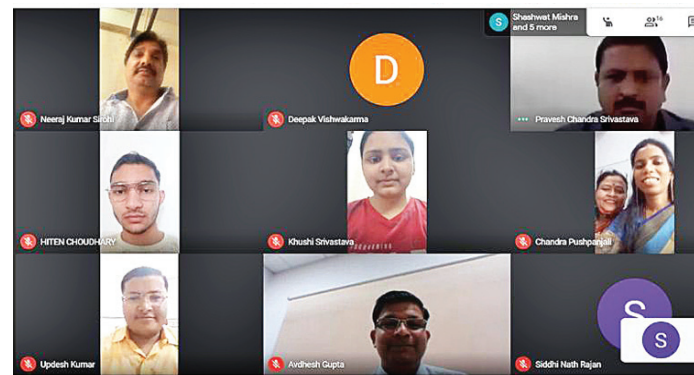
## Mission SHAKTI campaign on the occasion of Women's Day celebration



**Ghaziabad:** 8th March is celebrated as International Women's Day around the world. IMS Engineering College was celebrating International Women's Day by running 10 days Mission SHAKTI Campaign (from 26 Feb. 2021 to 08 March 2021) in offline as well as online

mode with an aim to create awareness among the various stakeholders on the issues of Women's safety, respect and self dependence. In this series, a SKIT Event on the theme of Women Empowerment was organized by first year students in the college campus.

## Webinar on "Women Empowerment" organised by happiness committee of IMS engineering college ghaziabad



**Ghaziabad:** On the occasion of International Women's day, on 8th March-2021, a Webinar is being organized by the "Happiness Committee" of IMS Engineering College on the theme of Women Empowerment to create awareness on the issues of Women's safety, respect, and self-dependence. The webinar was delivered by Prof. Ravi Shankar Pal (Assistant Professor, IT

Deptt.). In the lecture, he emphasized giving more honor and respect to women. He also made aware of the women's rights provided by the constitution of India, which make them stronger to establish themselves independently without any fear. He motivated for organizing girl child education camps in the slum where such kind of awareness is yet much needed.

## IMSEC organised cricket sport event



**Ghaziabad:** IMS Group of Institutions organised Cricket Sports Event participation with Btech. BBA. BCA. PGDM. Date- 16 march 2021 Venue: IMSEC Playground All College students.



## News Brief

## Success Story

The PGDM Batch 2019-21 students proudly share their journey full of learning and varied experiences during their stay at IMS Ghaziabad through a saga which covers their moments of successful placements and plentiful achievements.



**“Self-belief and hard work will always earn you success”**

The feeling of self-belief echoes when you are surrounded by your mentors, who help you in your two years journey, to transform your nascent dream into reality.

Nevertheless, the hard work and commitment should always have paramount importance to achieve your dream. My memory at IMS is etched in my mind yet falling short of words to express my abstract delight to join one of the “Big Four” company “Deloitte”. Thank you so much IMS!!!

Neha Mathur, PGDM 2019- 21



**“A perfection of means, and confusion of aims, seems to be our main problem. – Albert Einstein”**

This defines me before I joined IMS Ghaziabad, the place to which I owe so much for making me what I am today.

The confidence to keep pushing myself out of my comfort zone happened just because of my mentors at IMS who continuously boosted my morale to continue growing. On being placed in Repos Energy Pvt Ltd, I am sure all the experiences and trainings I have acquired over my two years journey will always constitute a part of me and my future endeavors. Thank you IMS.

Raksha Trivadi, PGDM 2019- 21



**“Self confidence is a super power once You start believing in yourself, magic starts happening”**

My PGDM journey revolves around this quote. Being merely a fashion graduate to transforming into a management professional, I realized that it just takes a little confidence to take the leap to achieve the goals in no time. In these tough times, IMS gave me new learning experiences that allowed me to gain new skills which became the reason for my placement in ‘The Learning Routes’.

Thank You IMS for shaping my career!

Manvi Jindal, PGDM 2019- 21



**“Small aim is a crime; have great aim “ A.P.J Abdul Kalam**

IMS Ghaziabad has given me the platform to aim high and dream big. They have transformed my personality, my perspective to handle varied situations and strive for excellence. My mentors have always pushed me to realize my strengths, be resilient and continuously hone my skills. I feel overjoyed with my placement in Wipro Blackstone after attending rigorous pre-placement sessions arranged by my institute. I am sure all the experiences and training that I have acquired over my two years journey will always constitute a part of me and my future endeavors.

Thank you so much IMS.

Priyanshi Singhal, PGDM 2019- 21



Everyone needs a platform to fly, to dream big and achieve the zenith in life. I had countless opportunities to develop my leadership skills and proactive thinking through various programmes and activities organized by IMS Ghaziabad. It was always insightful and an ever growing experience by being an exigent part of various magnificent events. My sincere gratitude to my academic and my life mentors who guided me to move ahead at every step. I truly appreciate and regard everyone’s efforts and commitments to my success and express my abstract delight to join Property Pistol Realty Pvt. Ltd. Thank you IMS for shaping my career!.

Piyali Aich, PGDM 2019- 21

## Value added certification & training programmes offered

**Ghaziabad:** IMS Ghaziabad, in its constant endeavour to enhance PGDM Student’s knowledge and employability, has imbibed the Value Added Certification & Training Programmes in the course curriculum. These courses and trainings are provided to students with complementary and aids to supplement the highly competitive and corporate relevant curriculum to make students better prepared to meet industry demands as well as develop their own interests and aptitudes.

### Alumni talk series at IMS Lal Quan Campus

**Ghaziabad:** IMS Ghaziabad is organizing an Alumni Talk Series for PGDM 2nd year students to enhance their knowledge and upskill them for ongoing and future placements. Alumnus of IMS Ghaziabad Ms Aanchal Badola Urmaliya (PGDBM 2006-2008) and Mr Kunal Jha (PGDM 2011-2013) would be sharing tips and tricks on “How to effectively crack placements”. IMS Ghaziabad welcomes both the Alumni to the Alma Mater!

### Competition success review acknowledged Shri Nitin Agarwal

**Ghaziabad:** Achievement seems to be connected with action and successful leaders keep moving ahead with the same objectives. IMS Ghaziabad is elated to share that Competition Success Review (CSR) recently acknowledged Shri Nitin Agarwal, Chief Patron, IMS Ghaziabad, a visionary and a dynamic leader, who inspires academicians to build the nation through value oriented education, amongst “Top Educationists of Leading Institutes of India” in the upcoming March’21 issue.

## Special Session on “Career Opportunity in Indian Air Force”



**Ghaziabad:** For the first time at IMS Ghaziabad, the PGDM Batch 2020-22 students were given a platform through a Special Session on “Career Opportunity in Indian Air Force” to explore the

untapped opportunities with the air arm of the Indian Armed Forces on Tuesday, March 16, 2021. We were elated to have the presence of Wing Commander Sneha Singh along with the Indian



Air Force Team. The session was initiated with the Inaugural Address of Prof. (Dr.) Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad, who expounded the value of discipline and

commitment which are the core values of the Indian Armed Forces and advised the future managers to build their characters on these two major pillars. Wing Commander Sneha Singh, during



her interaction with the students, shared the glory of Indian Air Force and various technical and non-technical profiles that they can approach in Indian Air Force for a bright future.

## Value added certificate program on six sigma yellow belt



**Ghaziabad:** With the objective of core competency generation and enhancement of Employability Quotient amongst the students of IMS Ghaziabad, Value Added Certificate Program (VA-CP) on ‘Six Sigma Yellow Belt’ was organized on March 15-18, 2021. The expert apprised the participants with an elementary understanding of the quality

framework and guided them in implementing small scale projects, support in the process improvement initiatives. The program was delivered by the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprise (MSME) and certificates (issued by MSME, Govt. Of India) were awarded after successful completion of the course.

## SAMAAGAM -2021 at IMS Ghaziabad, Lal Quan Campus

**Ghaziabad:** To let the PGDM students converge their creativity and build ideas in teams, SAMAAGAM -2021 (An Inter Departmental Academic Fest) was organized by IMS Ghaziabad on March 24, 2021. The event was initiated with the inaugural address by Prof. (Dr.) Urvashi Makkar, Director, IMS, who pondered that such occasions provide a platform to explore hidden potential, do meticulous planning and introspect ‘WHO AM I’. During the day, the students were engrossed in fun and learning activities followed by the valedictory ceremony, where the winners were felicitated with certificates and trophies. In Ad-Maniac (The AdMad Show), the



second runner up team was ‘The Golden Phoenix’, the first runner up team was “The Back Benchers” and the Winner team was ‘Cheetah’. In QuizBiz (The Business Quiz), the second runner up team was Vishal Rathi and Satyam Singh, the first runner up team was Deeksha Katyal and

Pankhuri Aggarwal and the Winner team was Rupa Roushan and Harshit Naveen. In the last event, Scavenger Hunt (Team Building Activities), the second runner up team was ‘Agam’, the first runner up team has ‘Spark’ and the Winner team was ‘Blazing’.

## Induction programme 2021 corporate expectations from young manager in the VUCA World



**Ghaziabad:** IMS Ghaziabad organized the Induction Programme – 2021 for the PGDM: 2020-22 Batch, Term-III on the theme-“Corporate Expectations from Young Manager in the VUCA World” on March 08-10, 2021. The occasion was organized under the able guidance of Shri Nitin Agarwal,

Managing Trustee, Chief Patron, IMS Ghaziabad, and Dr. Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad. The event was graced by the corporate luminaries, Mr. Satyajit Das, Director, Capgemini as the Chief Guest, Mr. Ashok Kumar Sangwan, Head Cost of Delivery, Wipro Limited as the Presidential Speaker, Mr. Sudhir

Zutshi, Director, Underwriter Laboratory, Mr. Chetan Sharma, Edumate TV & Renowned Journalist, Dr. Devinder Banwet, Founding Vice Chancellor, UEM, Kolkata, Mr. Kamalendu Bali, Director-Solutions, Concentrix and Mr. Faizan Ahmad, National Sales Head – Digital, The Hindu as the Keynote Speakers.

## Global expert talk series on "Strategic Management"

**Ghaziabad:** To extend global exposure to the students of PGDM 2020-22 Batch, a Global Expert Talk on "Strategic Management" was organized by IMS Ghaziabad on Saturday, March 13, 2021.

We were elated to have the presence of our globally acclaimed expert, Mr. Ashish Patel, Managing Director, CIO Advisory, Data Analytics, Morgan Franklin, USA, Former

Senior Vice President, Bank of America. It is an ongoing series which shall be continuing throughout the month for twenty hours where the students are being exposed to real life industry case studies and corporate experience sharing. The global talk was initiated with the Inaugural Address of Prof. (Dr.) Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad, who emphasized on the role of

strategic management especially during these turbulent times of the pandemic. Our globally praised expert, Mr. Patel, highlighted the role of strategic management for corporate and talked about its different tactical and functional intricacies to the participants. The ongoing sessions will be providing aids to the participants to formulate strategies and better decision making.

## IMS conferred with "Most Trusted Management Institute of the Year" award



**Ghaziabad:** Continuing the legacy of 31 years, IMS Ghaziabad was conferred with the "Most Trusted Management Institute of the Year" award by Shri Som Prakash, Union Minister of State for Commerce and Industry, Govt. of India, Shri Fagga Singh Kulaste, MOS for Steel Govt. India and Smt. Mandira Bedi, Indian Film Actress & Fashion Designer during the International Service

Pride Awards 2021 organized by Top Gallant Media in association with AAJ TAK International, India News & NEWS1 India, Sadhna Digital News, Forbes India & Medgate Today Magazine on March 19, 2021, duly received by Dr. Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad where she thanked Shri Nitin Agarwal, Managing Trustee, IMS Ghaziabad for his constant guidance and leadership.

## International Women’s Day celebrations with panel discussion



**Ghaziabad:** To celebrate women of substance on the occasion of International Women’s Day, a Panel Discussion on ‘Women In Leadership Role’ was organized by IMS Ghaziabad on March 08,

2021, 3:00 PM onwards. The event witnessed the presence of distinguished luminaries, Ms. Kalpana Palkhiwala, (Retd.) Dy. Director, PIB, Prior Ministry of Info. & Broadcasting, GOI, Ms.



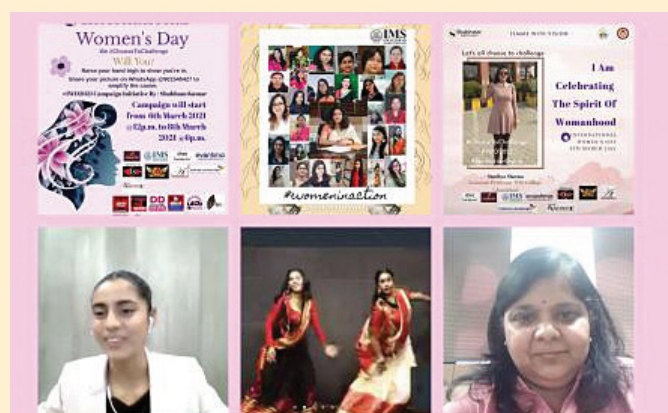
Anushri Verma, Senior HR Business Partner, HCL Technologies & Ms. Madhura Mukherjee, Gold Project Manager, Genpact. The celebrations commence with the

inaugural address of Prof. (Dr.) Urvashi Makkar, Director, IMS Ghaziabad who pondered on that let us be strengthened by becoming the strength of each other and start celebrating our own

being. Ms. Kalpana Palkhiwala, (Retd.) Deputy Director, Press Information Bureau elucidated on how women through ages have been learning to liberalize themselves from the challenges like discrimination & humiliation. Ms. Anushri Verma, Senior HR Business Partner, HCL technologies showcased how women are globally contributing towards growth and prosperity on the personal and professional front. Ms. Madhura Mukherjee, Gold Project Manager, Genpact, discussed how in this time of phenomenal transition, agility and collaboration is the only way forward.



## News Brief



## Woman's Day celebration

**Ghaziabad:** To honor womanhood, Journalism & Mass Communication Department at IMS Ghaziabad (University Courses Campus) celebrated International Women's Day 2021 "AKRITI" in association with Shubhstar Entertainment where a campaign strike the Choose to challenge which was based on the campaign theme for International Women's Day 2021 is 'Choose To Challenge'. A challenging world is an alert world. And from challenge comes change. Many faculties participated and shared their pictures as requested to support the campaign. IMS Ghaziabad is an extraordinary illustration of an Institution that permits ladies to strengthen at each level of the order, beginning with the Director, Dr. Sapna Rakesh, and followed by the number of female resources on the grounds. Around the same time, understudies of Journalism and Mass Communication committed a dance execution on Durga Vandana likewise devoted a tune to the female crew. This program had one point, which was to help the inspiration of the personnel by valuing them on this uncommon day. The staff by the end was propelled as they were valued, that is the thing that they merit.

## Buddy mentoring series conducted by School of Biosciences



**Ghaziabad:** There are so many different ways to learn. One of the most personal and relationship-building learning

experiences comes from Buddy mentorship. College Buddy Mentoring programs are designed to pair students with fellow students so that they can assist in a student's growth. These types of programs teach valuable academic skills, as well as lifelong and professional tools.

With an aim to build a unique guidance system, the School of Biosciences organised a week-long Buddy Mentoring series from 15-19 March 2021, where student mentors imparted their knowledge, skills, and experiences with the mentee. The series was designed and implemented under the guidance of honourable Director, Dr. Sapna Rakesh.

The students from B.Sc. (H) Biotechnology & Microbiology III and II year offered insights of scientific topics and assisted mentees in grasping the concepts. Yashda Singh, Ankita Das, Sneha Goswami, Gunjan Choudhary, Ishika Govil, Shivam Sharma and Shrishti Shukla discussed various topics from the subjects of their own interest like Instrumentation, Genetics, Biochemistry, Microbial Physiology etc. The Buddy mentoring series had been effectively executed under the guidance of faculty coordinator Prof. Akanksha Jain. The goal of mentorship is to help mentees to learn skills and information that will help lead them to success in their careers. Dr. Abha Vashista, Program Chairperson congratulated student mentors for their outstanding contribution in academic mentoring, assistance and supports and recognised their efforts with mementos and certificates.

## "Care for today, cure for tomorrow", talk on international WOMEN'S DAY



**Ghaziabad:** International Women's Day is celebrated the world over, every year on the eighth day of March. It celebrates womanhood and pays tribute to the indomitable spirit of women across the globe. This day brings many things for women – a cause for celebration, a reason to pause and re-evaluate a remembrance, an inspiration and a time to honour, love and admired.

To honour woman hood, the School of Biosciences in association with IMS Cares and Women cell, Institute of Management Studies, Ghaziabad (University Courses Campus) celebrated International Women's Day on Monday, 8th March 2021. International Women's Day is a global day celebrating the social, economic, cultural and political achievements of women. The day also marks a call to action for Women's health. Today's woman is multi-faceted; who takes care of the family as well as her aspirations. There are times when she falls prey to lifestyle diseases. Women health problems are on the rise partly because of a constant race against time and partly due to sheer ignorance.

Dr. Neera Bhan, Consultant – Obstetrics & Gynecology was the guest of the day. Dr. Bhan delivered a talk on Women's Health, "Care for Today, Cure for Tomorrow", wherein she highlighted that for women, healthy ageing depends largely on healthy living that includes eating a healthy diet, staying active, and having regular health screenings. The session was very interactive and emphasized the importance of body image to overall health.

## Organ India awareness programme

**Ghaziabad:** Institute of Management Studies, Ghaziabad (University Courses Campus) in relationship with Organ India has coordinated a mindfulness drive for the "Organ Donation" on 5th of March, 2021 From 11:00 am onwards in Imsuc Auditorium.

The visitor speaker of this meeting is Ms Sunayana Arora Singh, CEO of Organ India and Former Journalist in different News channels. She has been encouraged twice by (NOTTO) National Organ and tissue relocate association for her responsibility towards the honourable aim. Master in essential arranging and turning out tenaciously for spreading the reason by means of media and

## "The measure of life is not its duration but its donation." -Peter Marshall



leading mindfulness meetings PAN India. This meeting plans to make consciousness of the requirement for organ gift so that lives can be saved. The stage tended to the central issues and the significance of giving organs. Organ gift is vital on the grounds that one should realize that around 5 lakh individuals bite the



dust each year in India because of lack or inaccessibility of organs. the organ gift rate in India is extremely poor around 0.3 million when contrasted for certain western nations where it is high as 36 million.

The meeting initiated with the presentation of the IMS- Ghaziabad University Courses

Campus. A short time later, Dr. Sapna Rakesh Director welcomed the speaker while sharing her thoughts on Organ donation and motivated students to think about these part of Social and noble cause.

To summarize it, organ gift is a respectable deed. Moreover, it shows the commitment of an

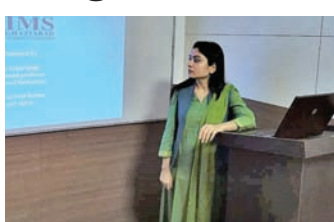
individual even in the afterlife. Generally, important, organ gift can save a lot of lives. Broad mindfulness in regards to organ gift should surely be spread among individuals.

Turning into an organ contributor is something beyond making the best decision — it's choosing to save somebody's life.

## Peer enrichment talk on P-Cresol pollutant degradation

**Ghaziabad:** Institute of Management Studies, Ghaziabad (University Courses Campus), always acknowledge the technological innovations and excellence of its faculty members. For enhancing and developing academic standards by engaging in a high level of discussion with peers, the School of Biosciences organized yet another Peer Enrichment Talk. Resource person, Dr. Tripti Singh, Assistant Professor, School of Biosciences delivered a talk on "Investigation of integrated approach of biodegradation and photo degradation of p-cresol pollutant" and the session was attended by her peers from the School of Biosciences.

Dr. Tripti started off by stressing waste management as a global environmental challenge. Effluents released from petrochemical refineries generate various wastes that cause water pollution and exert adverse effects due to their carcinogenic



and mutagenic properties and toxicity. In this regard, biodegradation is emerging as one of the ideal technologies for removing organic pollutants from the environment through the action of microorganisms. She informed, that the biological processes involved in the degradation of phenolic compounds offers numerous advantages but may not always provide the desired results. To overcome such limitations, she discussed the effective treatment of pollutants by biodegradation followed by photocatalytic processing.

The talk was highly informative and suggested novel means and processes that apply certain hybrid techniques to degrade organic pollutants.

## Media visit organized by J &amp; MC department

**Ghaziabad:** The Department of Journalism and Mass Communication of Institute of Management Studies, Ghaziabad (University Courses Campus) had organized a Media Visit & Participated in a live show, where students went to start up champions show in Doordarshan on 18th March 2020. It was an interactive session between the guest, anchor, and audience as students asked their questions from the guest by listening to their start-up stories of success and hard work.

There were two shows attended by students one was in Hindi by News Anchor Mr. Ajay Mishra and English by News Anchor Shubhendu Ghosh. Students also interacted with the Director-General of Doordarshan Mr. Mayank Agarwal. The visit was done under the guidance of Prof. Anurag Singh. It was overall an interactive session for both Journalism and MIB students.



Students got to know about TV Production, News Anchoring, Energy Conservation, and effective modes of online transactions.

how one can implement his own start-up. Students also got to know about the major differences between Hindi and English news shows.

## Awareness campaign on world water day organised by school of bio-sciences

**Ghaziabad:** World Water Day is held annually on 22 March as a means of focusing attention on the importance of fresh water and advocating for the sustainable management of fresh water resources. The theme of World Water Day 2021 was valuing water. On this occasion, the School of Biosciences in association with IMS Greens, Institute of Management Studies, Ghaziabad (University Courses Campus) organised an awareness campaign on "Conserve Water, Conserve Life". The Campaign was conducted on the bank of the Hindon river, Ghaziabad. Students under the guidance of



faculty member addressed the local community living in the area and expressed their concern over water and sanitation issues and suggested community women how to keep the water safe, and also focused on the use of toilet that is necessary for present-day society to make the

environment clean. They suggested keeping the livestock away from home to maintain hygiene conditions. This small gathering ventilated the key messages and highlighted issues of water and sanitation and issues related to climate change and survival of well-being.

## RESEARCH PAPER PRESENTATION ON DISEASE BIOLOGY

**Ghaziabad:** School of Biosciences, IMS Ghaziabad University Courses organized second Journal Club meeting based on Research Paper Presentation related to Disease biology on 17th March 2021, Wednesday. The meeting was conceptualized on understanding the hijacked molecular mechanisms that drive cellular processes leading to a plethora of key diseases such as diabetes.

Students of B. Sc. (H) Biotechnology, Nidhi Mishra, Janvi Sharma, Satyam Bathla and Bhupendra Sahu presented a review on selected research papers related to various diseases that are spreading worldwide such as Cancer, Fatal Familial

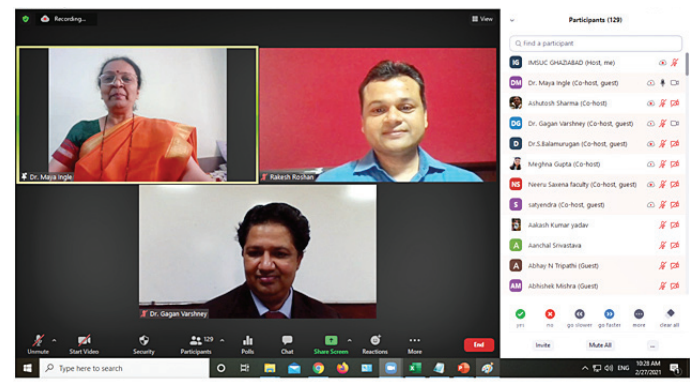
Insomnia (FFI), African swine fever and hair greying problems due to stress. They elucidated the present scenario and future effect of these diseases. They highlighted the ongoing research work on the vaccines against these diseases and explained advances in human disease genomics.

The session ended with a formal vote of thanks by Prof. Akanksha Jain, she appreciated the efforts of the students and motivated them to explore and take initiative. The session ignited the spark in the minds of students to begin reading scientific literature and reports and also participate in scientific interactions.

## BCA department organised national seminar

**Ghaziabad:** IMS Ghaziabad (University Courses Campus) organised National Seminar on Post Covid-19: Emerging Trends in Information Technology and Computer Applications on 27th February 2021. The whole event was divided into inaugural sessions and 3 special sessions for the guest lectures. Total 250+ participants registered from different part of the country and some of them from other countries also.

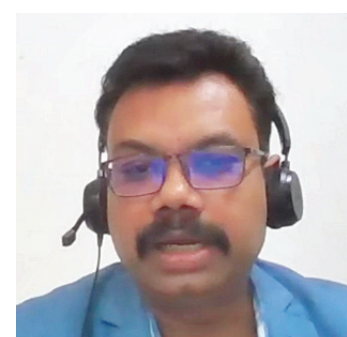
The event began with the welcome speech and addressing by Dr. Sapna Rakesh, Director and Dr. Gagan Varshney, Chairperson (BCA). Prof. Neeru Saxena Anchored in this National Seminar ETITCA 2021.



Dr Maya Ingle, Professor & Sr System Analyst, Devi Ahilya University, Indore introduced the topic and described her ideas on "Role of Technological Trends in Shaping the World". She covers approx all the emerging trends of Information Technology and Computer Science after Covid-19. In the

2nd session Dr. S. Balamurugan, SMIEEE, ACM Distinguished Speaker,

Founder & Chairman - Albert Einstein Engineering and Research Labs (AEER Labs) took over the stage and started by praising everyone present there for being so effective. He further started explaining "Cognitive



Computing and Artificial Intelligence" and also explained a major difference between both technologies. He also had given an idea about the different implementations of Artificial Intelligence and Cognitive Computing.

In the 3rd Session Mr. Satyendra Singh, Project Manager (Accenture, Mumbai)

explained all about Software Development Models such as Waterfall Model, Spiral Model, Agile Models, V-Shaped Models, Prototype Model, Devops and their uses by also adding that "We are on a journey to Cognitive Computing". He further explained things about "Agile- Cynefin" and where we can apply it. And he concluded his session by explaining Scrum Framework

Finally Vote of Thanks given by Prof. Rakesh Roshan where he thanked every participant, students and our reputed guest speakers for their kind words and valuable time. The session was very interactive and lots of other questions also asked by the students/participants.



# आईएमएस गाजियाबाद में हुआ काईफा-2021 फिल्म समारोह



**गाजियाबाद:** आईएमएस (यूनिवर्सिटी कोर्सस कैम्पस) गाजियाबाद के ऑडिटोरियम में तीन दिवसीय काशी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (KIFFA)-2021 का 4 अप्रैल को समापन हो गया। फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। साहित्यकार कुँवर वेचैन चेयरमैन के रूप में एवं वरिष्ठ पत्रकार अमीश देवगन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बॉलीवुड एक्टर राजेंद्र गुप्ता विशेष अतिथि के रूप में इस समारोह में शामिल हुए। आईएमएस ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स के मैनेजिंग ट्रस्टी सीए

(डॉ.) राकेश छारिया की विशेष उपस्थिति रही। आए हुए अतिथियों का स्वागत एवं आभार काईफा की फाउंडर मैनेजिंग डायरेक्टर प्रेरणा अग्रवाल एवं आईएमएस (यूनिवर्सिटी कोर्सस कैम्पस) गाजियाबाद की डायरेक्टर डॉ. सपना राकेश ने किया। तीन दिन तक चले काईफा-2021 फिल्म समारोह में कुल 35 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। भिन्न-भिन्न पृष्ठभूमि पर बनी फिल्मों की अवधि ढाई मिनट से लेकर करीब ढाई घंटे तक रही। हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, कश्मीरी, मलयालम, पंजाबी, छत्तीसगढ़ी, कन्नड़, तमिल, बांग्ला एवं

अन्य भारतीय भाषाओं में बनी फिल्मों के अलावा अफगानिस्तान, इटली, ईरान और कोरिया में बनी विदेशी फिल्मों को भी प्रदर्शित किया गया। काईफा-2021 फिल्म समारोह में दर्शकों को अपनी ओर बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा की फिल्म दादा लख्मी ने आकर्षित किया। फिल्म दादा लख्मी के प्रीमियर के मौके पर निर्देशक व अभिनेता यशपाल शर्मा, वरिष्ठ अभिनेता राजेंद्र गुप्ता, अभिनेता गोविंद पाण्डेय एवं हरियाणवी अभिनेत्री सुचित्रा सिंह उपस्थित रहीं। बड़ी संख्या में जुटे दर्शकों ने आयोजन की तारीफ



की और कहा कि ऐसे आयोजनों से फिल्मों के बहाने देश और समाज को समझने का मौका मिलता है। अभिनेताओं ने कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के छात्रों के साथ अपने अनुभव

बाँटे एवं अपनी भावी योजनाओं के बारे में बताया। काईफा-2021 फिल्म समारोह के दौरान कोविड-19 को लेकर सरकार की ओर से जारी दिशा निर्देशों का पालन किया गया।

मुझे लगता है, हर किसी को कुछ बनने के लिए जीवन में धैर्य और जुनून रखना चाहिए और आपको अपने जुनून को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। कड़ी मेहनत के बिना कुछ भी नहीं हो सकता याद रहे जीवन में कुछ भी कमाने या बनने के लिए कोई शॉर्ट-कट नहीं है। आगे बढ़ने और सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करने और अपने जुनून का पालन करने की आवश्यकता है।

-- : अमीश देवगन, न्यूज़ एंकर, न्यूज़ 18 इंडिया



रंगमंच में काम करते हुए, हम कई बार एक ही नाटक का पूर्वाभ्यास करते थे, इस प्रकार रंगमंच ने मेरे अभिनय कौशल को और निखारा और मुझे बॉलीवुड इंडस्ट्री में कुछ बेहतरीन काम करने में मदद की। मंच पर एक नाटक देने से पहले अभिनेता महीनों तक एक-दूसरे के साथ काम करते हैं और एक-दूसरे की कार्यशैली को समझते हैं और अपने सहकर्मियों को भी सहायता करते हैं, एक फिल्म की शूटिंग के विपरीत जहां प्रत्येक शॉट को एक बार में कैप्चर किया जाता है।

-- : गोविंद पांडेय, एक्टर



मेरे हिसाब से रंगमंच और सिनेमा में सबसे बड़ा अंतर यह है कि रंगमंच के दौरान दर्शक आपके सामने होते हैं और यहीं केवल एक ही शॉट है जबकि सिनेमा में कैमरा ही आपका दर्शक है। यह आपको किसी भी कोण से और हर प्रकार के दर्शकों की आँखों के अनुसार आपको देख सकता है। मैंने कारोबार में भी हाथ आजमाया लेकिन मेरा दिल कभी संतुष्ट नहीं हुआ वह इसलिए क्योंकि मुझे यकीन था कि मैं अपने जीवन में करियर के रूप में अभिनय ही करूँगा।

-- : राजेंद्र गुप्ता, एक्टर



मैं बताना चाहता हूँ कि अगर आप किसी चीज के बारे में भावुक हैं और आप कुछ करना चाहते हैं या कुछ बेहतर बनाना चाहते हैं अगर वो टीक से नहीं हो रहा है तो इसका मतलब है कि आप पर्याप्त भावुक नहीं हैं। अपनी प्रेरणा और जुनून के लिए हमेशा तत्पर रहो। भावुक रहें और कड़ी मेहनत और अभ्यास करते रहें।

-- : यशपाल शर्मा, एक्टर



मैं केवल एक बात कहती हूँ कि हमेशा अपने लक्ष्य और जुनून से चिपके रहो, कड़ी मेहनत करो और इसे संभव करके ही मनो और यही यही मेरा जीवन मंत्र है। सुचित्रा सिंह, एक्टर

## 10 हजार पांडुलिपियों को खच्चर पर लादकर लाए थे महापंडित राहुल सांकृत्यायन

**नई दिल्ली।** 9 अप्रैल 1893 को राहुल सांकृत्यायन का जन्म उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में हुआ था। वे बचपन से ही धर्म और आध्यात्म के प्रति रूचि होने के साथ धार्मिक आडम्बर का विरोध करते रहे। वर्ष 1910 के बाद उनके मन में घुमक्कड़ी रच बस गई। अपने जीवन काल में उन्होंने कई देशों की यात्राएं कीं। महापंडित की उपाधि धारण करने वाले यायावर राहुल पर बौद्ध धर्म का भी गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने वर्ष 1929 से 1939 तक चार बार तिब्बत की यात्रा की। जानकार बताते हैं कि इन यात्राओं के दौरान वे तिब्बती लिपि में लिखीं 10 हजार पांडुलिपियां अपने साथ खच्चर पर लादकर पटना लाए। इन्हें 'बिहार रिसर्च सोसाइटी' में सुरक्षित रखा गया है। राहुल तिब्बत यात्रा के दौरान वहां मौजूद संस्कृत ग्रंथों के 'फिल्म निगेटिव', 'प्लास निगेटिव' के साथ ही बौद्ध मठों में तालपत्र पर लिखीं पांडुलिपियों की तस्वीर भी खींचकर लाये थे।



राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाई गई पांडुलिपियों में 'शतसाहस्रिका प्रज्ञा पारमिता', 'सुगर्ण प्रभाष' ग्रंथ शामिल हैं। ये तिब्बती लिपि और संस्कृत भाषा में हैं। इन्हें निगेटिव, 'प्लास निगेटिव' के साथ ही बौद्ध मठों में तालपत्र पर लिखीं पांडुलिपियों की तस्वीर भी खींचकर लाये थे।

यह ग्रंथ हैंडमेड पेपर पर हस्तनिर्मित

सोने व चांदी के चूर्ण को स्याही के साथ मिलाकर लिखा गया है। यह अपने आप में दुर्लभ ग्रंथ है। वहीं संस्कृत ग्रंथ 'प्रभाष वार्तिक भास्य' का प्रकाशन जापान की संस्था ने 1998 में किया है। इस ग्रंथ की भाषा संस्कृत एवं लिपि मिथिलाक्षर है। कई पांडुलिपियों में अनेक ग्रंथों का संपादन काशी प्रसाद जायसवाल, राहुल सांकृत्यायन द्वारा किया गया तथा प्रकाशन रिसर्च सोसाइटी की ओर से किया गया। वर्ष 2009 में बिहार रिसर्च सोसाइटी का अधिग्रहण कला संस्कृति विभाग द्वारा किया गया।

पांडुलिपियों के डिजिटाइजेशन काम वर्ष 2015-16 से आरंभ हुआ। जिसमें तिब्बती ग्रंथों का अनुवाद व प्रकाशन का दायित्व भारत सरकार की संस्था तिब्बती अध्ययन संस्थान सारनाथ को सौंपा गया बुद्ध का वचन भी कहा जाता है। इसे रिसर्च सोसाइटी में रखा गया है।

## विज्ञान एवं कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को किया गया सम्मानित



**लखनऊ।** राष्ट्रीय विज्ञान और कला प्रदर्शनी-2021 का 8 अप्रैल को समापन हो गया। यह प्रदर्शनी 4 अप्रैल को शुरू हुई थी। राज्य ललित कला अकादमी, अखिल भारतीय विज्ञान दल और दुर्गा कला केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद शिव प्रताप शुक्ल उपस्थित थे। विभिन्न अतिथि के रूप में ललित कला अकादमी के अध्यक्ष सीता राम कश्यप, उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्र, सचिव डॉ. यशवंत सिंह राठौर, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के डॉ. मुदुल शुक्ल एवं दुर्गा कला केन्द्र के प्रबंधक अंजनी द्विवेदी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।



इस अवसर पर दुर्गा कला केन्द्र की ओर से आयोजित राष्ट्रीय कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसका उद्घाटन कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक ने किया। कला प्रदर्शनी में 24 चित्रकारों भूषेंद्र



कुमार अस्थाना, अंगद वर्मा, सारिका बाला मिश्रा, क्षमा द्विवेदी, अश्विनी प्रजापति, रीता मोर्या, अमित राजन वर्मा, आरएस शाक्य, उमेश सक्सेना, मोहम्मद शकील, डॉ. कुमुद सिंह, प्रभाकर राय, डॉ. राखी सैनी, प्रतिभा अवस्थी, राजू रंजन, अशोक शर्मा, सुनील सक्सेना, रंजना डीन, दीपा सिंह रघुवंशी, राजेन्द्र प्रसाद, शिखा पाण्डेय, राजीव मिश्रा और पायल त्रिपाठी ने हिस्सा लिया।

अखिल भारतीय विज्ञान दल एवं दुर्गा कला केन्द्र द्वारा स्वर्णीय लीलावती देवी शुक्ला राष्ट्रीय एवं विज्ञान सम्मान-2021 कई कलाकारों एवं वैज्ञानिकों को प्रदान किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

के व्यावसायिक वर्ग में गोल्ड मेडल डॉ. सारिका बाला मिश्रा, प्रियंका गुप्ता, सईद मुंजा, किशन एस जोगु, आकाश वर्मा सहित अन्य कलाकारों को दिया गया। राष्ट्रीय विज्ञान व कला प्रदर्शनी के विद्यार्थी वर्ग में गोल्ड मेडल विराज सक्सेना, हृष्टि सिन्हा, रुशिल अग्रवाल, आदित्य माहेश्वरी, गायत्री सिन्हा, अनिमेष सरकार, तियश मैती, ओजस तिवारी को दिया गया। सिल्वर मेडल अनुराधा रॉय, शमीका अग्रवाल, लक्ष्य राव, पायल बर्मन, गौरी बर्मन, संचिता सहा, अनन्य केसरवानी, तुषिता शुक्ला, निधि तिवारी, संस्कृति गुप्ता, श्रद्धा मिश्रा को प्रदान किया गया।

# खुश रहने के मामले में टॉप 100 में भी नहीं हम भारतीय!

**नई दिल्ली।** संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से 21 मार्च को वर्ल्ड हैपिनेस रिपोर्ट 2021 जारी की गई। इस रिपोर्ट में भारत को 149 देशों में 139वां स्थान हासिल हुआ है जबकि फिनलैंड पहले स्थान पर है। फिनलैंड लगातार चार वर्षों से खुशहाली के मामले में पहले स्थान पर है। भारत के मामले में 2019 के मुकाबले एक पायदान का सुधार है। 2019 में भारत को 140वां स्थान प्रदान किया गया था। एक बयान में कहा गया कि 'भारत के लिए नमूने लेने के लिए लोगों से आमने-सामने बैठकर और फोन पर बात की गई। हालांकि फोन पर जवाब देने वालों की संख्या आमने सामने बैठकर जवाब देने वालों की संख्या से अधिक थी।

### पड़ोसी देशों का हाल

खुशहाल टॉप-10 देशों की सूची में 9 देश यूरोप के हैं। वहीं भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान (105), बांग्लादेश (101), नेपाल (87), श्रीलंका (129), म्यानमार



(126) और चीन (84) भारत से आगे हैं।

### क्या है हैपीनेस रिपोर्ट का आधार?

संयुक्त राष्ट्र सन्टेनैबल डेवलपमेंट



**सबसे दुःखी देश**  
1-अफगानिस्तान  
2-जिम्बाब्वे (148वें)

3-रवांडा (147वें)  
4-बोत्स्वाना (146)  
5-लेसोथो (145वां)

सोल्युशन नेटवर्क की ओर से यह वार्षिक रिपोर्ट जारी की जाती है। इसमें 149 देशों को शामिल किया गया था। रिपोर्ट में जीडीपी, सामाजिक समर्थन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और प्रत्येक राष्ट्र में भ्रष्टाचार के स्तर जैसे कारकों को आधार बनाया गया था। इस बार रिपोर्ट तैयार करने में नई चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि पूरा विश्व इस दौरान कोरोना जैसी महामारी से गुजर रहा था। सर्वे के दौरान प्रत्येक देश के लोगों से उनके जीवन की गुणवत्ता, सकारात्मक व नकारात्मक भावों से जुड़े सवाल पूछ गए थे।

### अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस कब से मनाया जाता है?

अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस प्रत्येक साल 20 मार्च को मनाया जाता है ताकि लोगों के जीवन में खुशहाली बढ़े। संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाने की शुरुआत की थी लेकिन इसके लिए वर्ष

2012 जुलाई में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। इस साल की थीम - 'HMappiness For All, Forever' है।

### हमारी राय

पूरी दुनिया को खुश रहने के रास्ते बताने वाला भारत आज वर्ल्ड हैपिनेस रिपोर्ट में 149 में 139वें स्थान पर है। इस बात पर चिंता व्यक्त करने की बजाय हमें चिंतन करने की आवश्यकता है। जिस प्रकार पिछले कुछ दशकों से तेजी से हम अपनी सभ्यता व समृद्ध संस्कृति को भूलकर पश्चिम की सभ्यता और संस्कृति का अधुनाकरण करते जा रहे हैं हमारे दुःखी रहने की सबसे बड़ी वजह यही है। प्राचीन भारत के ग्रंथ बताते हैं कि हमारे यहाँ खाने-पीने-रहने-व्यवहार करने की जितनी सुचारु व्यवस्था थी उतनी सुव्यवस्थित सामाजिक संरचना दुनिया के किसी भी देश में नहीं थी। योग, आयुर्वेद व आध्यात्म की मौलिकता की वजह से पूरी दुनिया में भारत की पहचान थी। इसका अंदाजा स्वामी विवेकानंद के उस भाषण से लगाया जा सकता है जिसे उन्होंने 1893 में शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में दिया था। दुनिया भर के जमा धर्मज्ञ स्वामी जी के सामने नतमस्तक थे और उनके भाषण के अगले दिन वहाँ के अखबारों ने स्वामी विवेकानंद की भूरि-भूरि प्रशंसा की थी। समय के साथ-साथ खुश रहने के पैमाने बदलते गए और अपरिग्रह को छोड़कर हमने अतिसंग्रहण को सुखी जीवन का पैमाना बना लिया। नतीजा ये हुआ कि आज व्यक्ति के पास सभी भौतिक सुविधाएँ मौजूद हैं लेकिन वह खुश नहीं है। यदि भारत को अपने पुराने गौरव की ओर लौटना है तो अपनी सभ्यता एवं संस्कृति को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

**IMS ENGINEERING COLLEGE GHAZIABAD**  
(Under the aegis of IMS GHAZIABAD Group of Institutions)

NAAC Accredited with 'A' Grade  
Approved by AICTE, New Delhi & Affiliated to AKTU, Lucknow

COLLEGE CODE: **143**

**18 Years**

**COURSES OFFERED**

**B. Tech** B. Tech (Lateral Entry available)

- Biotechnology
- Civil Engineering
- Computer Science
- Computer Science & Engineering
- Electrical & Electronics Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Information Technology
- Mechanical Engineering

**M. Tech**

- Biotechnology
- Computer Science & Engineering

**MBA**

- Finance
- HR
- IT
- Marketing
- IB

Region wise ranking by Times Engineering Institute Ranking Survey 2020

**4<sup>th</sup> Rank in North India**

By **The Times of India**

**PLACEMENT REPORT**

2020 - 21

**81.25%**

**119 COMPANIES VISITED**

**477 TOTAL PLACEMENTS**

**620 PLACEMENTS OFFERED**

**10 LPA HIGHEST PACKAGE**

**PROMINENT RECRUITERS**

**SALIENT FEATURES**

- NBA Accredited - Biotechnology Programme
- Approved research centre for Ph.D in Biotechnology from Dr. APJ Abdul Kalam Technical University, Lucknow
- International Internship with University of Louisville, KY, USA & Rillick Solutions LLC, New Jersey, USA
- Innovative Culture - 100+ Live Projects / year made by students getting acclaimed at National & International level
- Advanced Robotics Centre and Centre of Excellence in PLC & SCADA (ABB), Embedded system (Texas Instruments), VLSI (Aajus Technology Pvt. Ltd.)
- Excellent Placement Records year after year

NH-9, Adhyatmik Nagar, Ghaziabad (U.P.) - 201 015 | Phone: 0120-4940000 | Mobile: 09821396581/ 582/ 583  
E mail: director@imsec.ac.in / enquiry@imsec.ac.in | Toll Free: 1800 102 8393